R.N.I- UPHIN/2025/A0695

P- 3 ▶ कावंड़ियो की सुविधा के दृष्टिगत जिलाधिकारी व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने कावंड मार्ग का किया निरीक्षण

हिन्दी दैनिक

लोकमंच भारत न्यूज

मीरजापुर से प्रकाशित

उम्मीद एक नयी दिशा की ओर....



सर्राफा बाजार

सोना 98,170.00 रुपए प्रति दस ग्राम
चांदी 94,600.00 रुपए प्रति किलो

वर्षः- 01 | अंकः- 08 | मीरजापुर | गुरूवार,10 जुलाई 2025 | पृष्ठः-4 | मूल्यः- 1.00 रूपया

अपनी संस्कृति और गरिमा के साथ पाई जा सकती है सफलता: मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नामीबिया की संसद के संयुक्त सत्र को किया संबोधित



नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नामीबिया की संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए भारत के संविधान को लोकतंत्र की असली ताकत बताया। साथ ही संदेश दिया कि अपनी संस्कृति और गरिमा के साथ सफलता पाई जा सकती है। प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि भारत-नामीबिया द्विपक्षीय व्यापार 80 करोड़ डॉलर पार कर चुका है। उन्होंने इसे क्रिकेट मैच की शुरुआत बताया और कहा कि अब तेजी से स्कोरिंग होगी। भारत द्वारा स्थापित उद्यमिता विकास केंद्र नामीबियाई युवाओं के लिए नवाचार और सहयोग का केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा कि भारत न केवल अपने विकास की दिशा तय कर रहा है, बल्कि ग्लोबल साउथ के सपनों को भी दिशा दे रहा है। भारत का संदेश है - अपनी संस्कृति और गरिमा के साथ सफलता पाई जा सकती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की अफ्रीका में विकास भागीदारी 12 अरब डॉलर से अधिक की है, लेकिन इसकी असली ताकत साझा विकास और साझा उद्देश्य में निहित है। प्रधानमंत्री ने नामीबिया के स्वतंत्रता संग्राम में भारत की भूमिका को याद करते हुए बताया कि भारत ने स्वात अफ्रीका के मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र में तब उठाया, जब वह स्वयं स्वतंत्र नहीं था। भारत ने आंदोलन का समर्थन किया और नामीबिया में भारत की पहली विदेश-स्थित राजनयिक इकाई खोली। प्रधानमंत्री मोदी ने नामीबिया में भारतीय डिजिटल भुगतान प्रणाली यूपीआई के लॉन्च की घोषणा करते हुए कहा कि यह सेवा जल्द ही शुरू होगी, जिससे पैसे का लेनदेन 'टांगी उनेने' (बहुत धन्यवाद) बोलने से भी तेज हो जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत नामीबिया को भाभाट्रॉन रेडियोथेरेपी मशीन देने जा रहा है, जिससे कैंसर के इलाज में मदद मिलेगी। उन्होंने जनऔषधि योजना से नामीबिया को जोड़ने का न्योता दिया, जिससे सस्ती और गुणवत्तापूर्ण दवाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

मोदी को मिला नामीबिया का सर्वोच्च नागरिक सम्मान



नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बुधवार को नामीबिया के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ऑर्डर ऑफ द मोस्ट एंशिएंट वेल्विट्शिया मिराबिलिस' से नवाजा गया। यह प्रधानमंत्री मोदी को मिला 27वां अंतरराष्ट्रीय और उनकी वर्तमान में जारी पांच देशों की यात्रा के दौरान चौथा सम्मान है। प्रधानमंत्री मोदी की नामीबिया की आधिकारिक यात्रा के दौरान वहां की राष्ट्रपति डॉ. नेटुम्बो नंदी-नदैतवाह ने आज सम्मान समारोह में प्रधानमंत्री को इससे नवाजा। सम्मान ग्रहण करने के बाद उन्होंने सम्मान को दोनों देशों को समर्पित किया और साथ मिलकर निरंतर प्रगति और विकास के लिए काम करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह उनके लिए अत्यंत गर्व और सम्मान की बात है और इसे वे 140 करोड़ भारतीयों की ओर से स्वीकार कर रहे हैं। संबंधों का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने नामीबिया के दुनिया के सबसे बड़े हीरा उत्पादन देश और भारत के सबसे बड़े पॉलिशिंग उद्योग देश होने का संदर्भ दिया और भविष्य की साझेदारी में विश्वास को दोहराया। उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि आने वाले समय में हमारी साझेदारी भी इन हीरों की तरह चमकेगी। नामीबिया की आजादी के कुछ सालों के बाद 1995 में इस सम्मान की शुरुआत की गई थी। इसका उद्देश्य विशिष्ट सेवा और नेतृत्व का सम्मान देना है। इसका नाम वेल्विट्शिया मिराबिलिस के नाम पर रखा गया है। यह नामीबिया का एक प्राचीन रेगिस्तानी पौधा है। नामीबियाई लोगों के लचीलेपन, दीर्घायु और स्थायी भावना का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने सम्मान से जुड़े प्रतीकात्मक अर्थ का उल्लेख किया और कहा कि वेल्विट्शिया पौधे को नामीबियाई लोगों के संघर्ष, साहस और संस्कृति का प्रतीक माना जाता है ।

यूपी में एक दिन में रोपे गये 37,21,40,925 पौधे

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जताया आभार



लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने बुधवार को नया इतिहास रच दिया। एक पेड़ मां के नाम 2.0 थीम के अंतर्गत पौधरोपण महाभियान-2025 में पूरे प्रदेश में शाम छह बजकर छह मिनट तक एक दिन में 37,21,40,925 पौध रोपण किया गया। यह सरकार के तय लक्ष्य 37 करोड़ से 21,40,925 अधिक है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान एक पेड़ मां के नाम-2.0 के तहत मुख्यमंत्री की मंशा को ध्यान में रखते हुए बुधवार को प्रदेश में व्यापक स्तर पर पौधरोपण महाभियान-2025 चलाया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या के रामपुर हलवारा में सरयू नदी के किनारे त्रिवेणी वाटिका में बरगद, नीम और पीपल के पौधे रोपकर इसे भगवान श्रीराम, धरती माता और जन्मदायिनी माता को समर्पित किया। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने आजमगढ़ के सठियांव ब्लॉक के केरमा गांव में एक्सप्रेसवे के किनारे हरिशंकरी वाटिका की स्थापना की, फिर गोरखपुर के खाद कारखाना परिसर में चिलुआताल के समीप पौधरोपण किया राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने बाराबंकी, केशव प्रसाद मौर्य ने मेरठ व ब्रजेश पाठक ने लखनऊ में लगाया पौधापौधा रोपण अभियान के तहत राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने बाराबंकी में त्रिवेणी (पीपल, बरगद व नीम) के पौधों का रोपण किया। उन्होंने लघु फिल्म लॉन्च करने के बाद आंगनबाड़ी किट, पोषण पोटली व प्रमाण पत्र वितरित किए। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मेरठ तथा ब्रजेश पाठक ने लखनऊ में पौधरोपण किया। उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना ने विधानसभा परिसर में 'पौधरोपण महाअभियान' के अंतर्गत चंपा के पौधे का रोपित किये। वन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण कुमार सक्सेना ने अयोध्या-गोरखपुर तथा वन राज्यमंत्री कृष्णपाल मलिक ने आजमगढ़-गोरखपुर के मुख्य कार्यक्रम में शामिल होकर पौधा रोपित किए। आज के दिन प्रदेश सरकार के सभी मंत्रियों ने भी अलग अलग जिलों में पौधे रोपित किये। प्लांटेशन मॉनिटरिंग सिस्टम सॉफ्टवेयर पर मिला रियल टाइम अपडेट बुधवार को हुए पौधरोपण महाभियान-2025 के अंतर्गत वन, रक्षा, रेलवे की भूमि, ग्राम पंचायत एवं सामुदायिक भूमि, एक्सप्रेस वे, सड़क, नहर, रेल पटरी के किनारे, विकास प्रधिकरण, औद्योगिक परिसर, चिकित्सा संस्थान, शिक्षण संस्थान की भूमि, अन्य राजकीय भूमि, कृषकों की निजी भूमि, नागरिकों ने निजी परिसर में बड़े स्तर पर पौधरोपण किया। सबसे अहम बात ये कि अभियान को पूरी पारदर्शिता के साथ संपन्न कराने के लिए वन विभाग की तरफ से एण्ड्रायड आधारित प्लांटेशन मॉनिटरिंग सिस्टम सॉफ्टवेयर पर रीयल टाइम अपडेट मिला। इस अभियान को लेकर मुख्यमंत्री का स्पष्ट निर्देश था कि पौधरोपण अभियान केवल कागजी खानापूर्ति तक सीमित ना रहे, बल्कि इसे लेकर पूरी पारदर्शिता और पौधों की प्रभावी मॉनीटरिंग की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए। यही कारण रहा कि इस साल भी पौधों की जियो टैगिंग की मुकम्मल व्यवस्था की गई है। साथ ही वन विभाग ने भी टेक्नोलॉजी का भरपूर उपयोग किया है। इस अभियान की पल-पल की रिपोर्ट https://pmsupfd.org/plant-ingprogress.html पर अपडेट होती रही।

कृषि मंत्रालय ने सात नए उत्पादों को ई-नाम प्लेटफॉर्म पर जोड़ने की दी स्वीकृति



नई दिल्ली(एजेंसी)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किसानों को बेहतर दाम दिलाने के साथ ही कृषि व्यापार को बढ़ावा देने के लिए सात नए उत्पादों को ई-नाम प्लेटफॉर्म पर जोड़ने की स्वीकृति प्रदान की है। इसका मकसद कृषि उत्पादों का कवरेज बढ़ाना और किसानों और व्यापारियों को डिजिटल ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म से लाभ उठाने के अधिक अवसर प्रदान करना है। इन सात उत्पादों में गन्ना, मर्चा चावल, कतरनी चावल, जर्दालू आम, शाही लीची, मगही पान और बनारसी पान शामिल हैं। इन सात उत्पादों सहित ई-नाम प्लेटफॉर्म पर उत्पादों की संख्या बढ़कर अब 238 हो गई हैं। बुधवार को कृषि मंत्रालय ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय (डीएमआई) ने 7 अतिरिक्त कृषि उत्पादों के लिए व्यापार योग्य मापदंड तैयार किए हैं। ये नए उत्पाद मापदंड राज्य एजेंसियों, व्यापारियों, विषय-विशेषज्ञों और एसएफएसी सहित प्रमुख हितधारकों के साथ व्यापक परामर्श के बाद तैयार किए गए हैं। यह पहल पारदर्शिता बढ़ाती है, निष्पक्ष व्यापार प्रथाओं को सुविधाजनक बनाती है और कृषि क्षेत्र के समग्र विकास में योगदान देती है। व्यापार योग्य मापदंडों का निर्माण प्रत्येक उत्पाद के लिए श्रेणी या रेंज प्रदान करता है और उपज की गुणवत्ता के आधार पर किसानों को लाभकारी मूल्य प्राप्त करने में मदद करता है। ये नए स्वीकृत व्यापार योग्य मापदंड ई-नाम पोर्टल पर उपलब्ध होंगे, जिससे कृषि उत्पादों के डिजिटल व्यापार को सुविधाजनक बनाने के लिए प्लेटफ़ॉर्म की क्षमता और सुदृढ़ होगी। इस कदम से किसानों को बेहतर बाज़ार पहुंच, बेहतर मूल्य निर्धारण और बेहतर गुणवत्ता का आश्वासन मिलेगा, जिससे उनके आर्थिक कल्याण को बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा, विभिन्न हितधारकों से प्राप्त अनुरोध और फीडबैक के आधार पर, मौजूदा 4 उत्पादों के व्यापार योग्य मापदंडों में संशोधन किया गया है, ये हैं-सिंघाड़े का आटा, सिंघाड़ा, बेबी कॉर्न व ड्रैगन फ्रूट।

भारत बंद का दिखा मिलाजुला असर

नयी दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ 10 विपक्षी ट्रेड यूनियनों के भारत बंद का मिलाजुला असर देखने को मिल रहा है। एक तरफ जहां पश्चिम बंगाल और केरल जैसे विपक्षी दलों द्वारा शासित राज्यों में इस बंद का ज्यादा असर देखने को मिल रहा। वहीं भाजपा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) शासित राज्यों में बंद का कोई खास असर नहीं दिख रहा है। बंद में बैंक, बीमा, डाक, कोयला खदान, राजमार्ग और बुनियादी अवसंचना जैसे क्षेत्रों के लगभग 25 करोड़ कर्मचारी इसमें शामिल हैं। कोलकाता में वामपंथी दलों के यूनियन ने जादवपुर में पैदल मार्च निकालकर भारत बंद में भाग लिया। ट्रेड यूनियनों का आरोप है कि केंद्र सरकार ऐसे आर्थिक सुधारों को आगे बढ़ा रही है जो श्रमिकों के अधिकारों को कमजोर करते हैं। ट्रेड यूनियों के अनुसार सरकारी विभाग में युवाओं को नौकरी देने के बजाय सेवानिवृत्त लोगों को रखा जा रहा है। उन्होंने रेलवे, नयी दिल्ली नगरपालिका परिषद (एमडीएमसी) लिमिटेड, स्टील सेक्टर और शिक्षा सेवाओं के उदाहरण दिए हैं।

हिमाचल में भूस्खलन से 174 सड़कें बंद कांगड़ा में 603 पेयजल योजनाएं ठप



शिमला, (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में लगातार हो रही बारिश ने लोगों की परेशानियां बढ़ा दी हैं। राज्य के कई हिस्सों में मंगलवार रात और बुधवार को भी रुक-रुक कर बारिश होती रही। राजधानी शिमला में दोपहर को एक घंटे तक जोरदार बारिश हुई। बारिश के कारण हुए भूस्खलन से 174 सड़कें बंद हैं। इनमें एक नेशनल हाईवे भी शामिल है। मंडी जिला सबसे अधिक प्रभावित बना हुआ है, जहां 136 सड़कें बंद हैं और एक नेशनल हाईवे पर भी यातायात पूरी तरह रुका हुआ है। इसके अलावा बारिश के कारण 755 पेयजल योजनाएं भी बाधित हुई हैं। कांगड़ा जिला में स्थिति और भी गंभीर है जहां बुधवार को 603 पेयजल स्कीमें ठप हो गईं। इनमें से धर्मशाला उपमंडल में 466, नूरपुर में 64 और देहरा में 73 योजनाएं प्रभावित हैं। मंडी में भी 137 पेयजल योजनाएं बंद हो गई हैं, साथ ही 151 ट्रांसफॉर्मर ठप पड़े हैं जिससे बिजली आपूर्ति भी बाधित हुई है। पूरे प्रदेश में अब तक 162 ट्रांसफॉर्मर बंद हो चुके हैं। बीते 24 घंटों में सबसे ज्यादा बारिश सिरमौर के नाहन में 70 मिमी दर्ज की गई। इसके अलावा नंगल डैम, दौलतपुर, देहरा गोपीपुर, ओलिंडा, रोहडू और गोहर में भी अच्छी बारिश हुई। कई स्थानों पर तेज हवाएं और गरज-चमक के साथ बारिश का दौर जारी रहा। मौसम विभाग ने 15 जुलाई तक प्रदेश में कहीं-कहीं भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। 10, 13, 14 और 15 जुलाई को विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है। विभाग ने कहा है कि अगले 24 घंटों में भारी बारिश से भूस्खलन और अचानक बाढ़ जैसी घटनाएं हो सकती हैं। हालांकि 11 और 12 जुलाई को थोड़ी राहत की उम्मीद है। राज्य में अब तक इस मानसून सीजन में 85 लोगों की मौत, 129 घायल और 35 लोग लापता हो चुके हैं। 165 मकान पूरी तरह ध्वस्त और 199 मकान आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं।

बिहार में भी मतों की चोरी की हो रही है कोशिश :राहुल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। बिहार में मतदाता पुनरीक्षण और ट्रेड यूनियन के हड़ताल के समर्थन में आईएनडीआई गठबंधन के आज बिहार बंद का असर रेल और सड़क यातायात पर पड़ा है। राजधानी पटना में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और तेजस्वी यादव एक साथ सड़कों पर उतर कर विरोध मार्च में हिस्सा लिया। पटना में राहुल गांधी ने बंद समर्थकों को संबोधित किया। इस दौरान उनके हाथ में संविधान की किताब थी। राहुल गांधी ने अपने संबोधन में कहा, ÷ बिहार में वोट की चोरी की कोशिश हो रही है। मैं बिहार की जनता को कह रहा हूं कि महाराष्ट्र का चुनाव चोरी किया गया था। वैसे ही बिहार का चुनाव चोरी करने की कोशिश की जा रही है। गरीबों का वोट छीनने का यह तरीका है। राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर निशाना साधते हुए कहा कि आपको जो करना है करिए, मगर बाद में कानून आप पर लागू होगा। भूलिए मत आप कितने भी बड़े हों, कहीं भी बैठे हों, कानून आपको नहीं छोड़ेगा। आपका काम हिन्दुस्तान के संविधान की रक्षा करने का है। आपका काम बिहार की जनता के दिल के अंदर जो हो उसको पूरा करने का है।

वायु सेना का जगुआर लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त, दोनों पायलट की मौत

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना का एक जगुआर ट्रेनर विमान बुधवार दोपहर राजस्थान के चुरू के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया, दुर्घटना में दोनों पायलट की मौत हो गयी। वायु सेना ने कहा है कि यह विमान नियमित प्रशिक्षण उडान के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटना में दोनों पायलट की मौत हो गयी। दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच समिति गठित की गई है। वायु सेना ने सोशल मीडिया पर पोस्ट में कहा , भारतीय वायुसेना का एक जगुआर ट्रेनर विमान आज राजस्थान के चुरू के पास नियमित प्रशिक्षण मिशन के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस दुर्घटना में दोनों पायलटों की मौत हो गयी। किसी भी नागरिक संपत्ति को कोई नुकसान नहीं पहुँचा है। भारतीय वायुसेना इस दुखद घटना पर गहरा दुःख व्यक्त करती है और इस दुख की घड़ी में शोक संतप्त परिवारों के साथ खड़ी है। दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए एक कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी गठित की गई है।

ऊर्जा शिक्षा को लेकर दीर्घकालिक रणनीति की जरूरत :प्रधान



नई दिल्ली,(हि.स.)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने ऊर्जा शिक्षा को लेकर दीर्घकालिक रणनीति की जरूरत पर जोर देते हुए कहा कि भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता है, बावजूद इसके देश की प्रति व्यक्ति ऊर्जा खपत अभी भी वैश्विक औसत का केवल एक तिहाई है। प्रधान बुधवार को भारतीय प्रौद्योगिक संस्थान (आईआईटी) दिल्ली में 'भविष्य के लिए तैयार ऊर्जा शिक्षा ⁼ अवसर और चुनौतियां' विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे। कार्यशाला में देश के शीर्ष 100 एनआईआरएफ रैंकिंग वाले संस्थानों और ऊर्जा क्षेत्र पर केंद्रित अन्य संस्थानों को आमंत्रित किया गया था। उन्होंने कहा कि भारत को 2070 तक नेट-जीरो उत्सर्जन लक्ष्य हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ना है, ऐसे में एक ऐसी स्मार्ट रणनीति की आवश्यकता है जो शैक्षणिक ज्ञान को सामाजिक कल्याण से जोड़ सके। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह पहल ऊर्जा शिक्षा को मुख्यधारा की शिक्षा प्रणाली में शामिल करने की दिशा में एक लंबी यात्रा की आधारशिला बनेगी। उन्होंने आईआईटी दिल्ली से आग्रह किया कि वह स्कूल स्तर के छात्रों के लिए भी ऊर्जा शिक्षा का एक समर्पित पाठ्यक्रम विकसित करने में सहयोग करे। धर्मेंद्र प्रधान ने आईआईटी दिल्ली द्वारा इस महत्वपूर्ण विषय पर कार्यशाला आयोजित करने के लिए सराहना की और कहा कि यह प्रयास भविष्य के लिए ऊर्जा क्षेत्र में योग्य मानव संसाधन तैयार करने में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि ऊर्जा, जलवायु और सतत विकास जैसे विषय अब केवल वैज्ञानिक विमर्श तक सीमित नहीं रह सकते, बल्कि इन्हें शिक्षा के हर स्तर पर समावेशित करना समय की मांग है। इस अवसर पर उन्होंने %ऊर्जा संगम% पोर्टल का शुभारंभ भी किया, जो देशभर के शोध, पाठ्यक्रम और शैक्षणिक प्रयासों को एक मंच पर लाने का काम करेगा। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने 'ऊर्जा संगम' (https://oor-jasangam.iitd.ac.in/) नामक एक वेबसाइट लॉन्च की, जो देश में ऊर्जा, जलवायु और सतत विकास से संबंधित अनुसंधान और शैक्षणिक कार्यक्रमों के लिए एक ÷सिंगल स्टॉप पोर्टल÷ के रूप में काम करेगी। आईआईटी दिल्ली के निदेशक प्रो. रंजन बनर्जी ने बताया कि कार्यशाला में एनआईआरएफ के शीर्ष संस्थानों के साथ मिलकर पाठ्यक्रम विकास, उद्योग साझेदारी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के एकीकरण पर चर्चा की गई। ऊर्जा विज्ञान एवं इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर अशु वर्मा ने कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य भावी पीढ़ी को सतत ऊर्जा भविष्य के लिए तैयार करना है। इस कार्यशाला में आईआईटी, एनआईटी, केंद्रीय विश्वविद्यालयों और निजी इंजीनियरिंग संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया और विभिन्न सत्रों में पाठ्यक्रम, प्रयोगशाला आवश्यकताएं, उद्योग सहयोग और ऊर्जा परिवर्तन से जुड़े विषयों पर सिफारिशें दीं।

मंडी के आपदा प्रभावितों के बीच पहुंचे नड्डा बोले- पुनर्वास में नहीं होगी कोई कमी



शिमला, (हि.स.)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने बुधवार को हिमाचल प्रदेश के आपदा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया और पीड़ितों को हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया। मंडी जिले के नाचन विधानसभा क्षेत्र के सैंज पंगलियूर बागा और थुनाग गांव का दौरा करते हुए नड्डा ने कहा कि केंद्र सरकार राज्य सरकार के साथ मिलकर राहत और पुनर्वास कार्यों को युद्धस्तर पर अंजाम दे रही है। उन्होंने प्रशासन को निर्देश दिए कि राहत कार्यों में कोई ढिलाई न बरती जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रत्येक प्रभावित व्यक्ति तक सरकारी सहायता शीघ्र पहुंचे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार हर प्रभावित नागरिक तक सहायता पहुंचाने के लिए संकल्पबद्ध है। प्रभावितों के पुनर्वास में कोई कमी नहीं छोड़ी जाएगी। नड्डा ने मौके पर फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने, अस्थाई आश्रय देने, भोजन और दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने राहत शिविरों में स्वास्थ्य सुविधाओं का निरीक्षण किया और प्रशासन को हर जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए। इस दौरान नड्डा उन पीड़ितों से भी मिले जिन्होंने इस आपदा में अपनों को खोया है। उन्होंने पुष्प राज और तिलक राज से मुलाकात की, जिन्होंने इस त्रासदी में अपने माता-पिता को खो दिया। नड्डा ने उन्हें ढांढस बंधाया और कहा कि सरकार हर संभव मदद करेगी। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में सड़क संपर्क टूट गया है वहां जल्द मार्ग बहाल कर यातायात सुचारु किया जाएगा। नड्डा ने थुनाग और करसोग के हालात पर चिंता जताते हुए कहा कि हिमाचल जैसी पर्वतीय परिस्थितियों में सरकार और समाज को मिलकर आगे आना होगा। दौरे में हिमाचल प्रदेश के नेता प्रतिपक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर तथा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष राजीव बिंदल भी नड्डा के साथ मौजूद रहे। जयराम ठाकुर ने कहा कि जब भी प्रदेश में आपदा आई है, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा सबसे पहले यहां पहुंचे हैं और केंद्र से राहत उपलब्ध कराई है।

लोकमंच भारत न्यूज़
गुरुवार, 10 जुलाई 2025

भारत के लिए चीन ही है सबसे बड़ा खतरा

अनिल जैन

भारत के उप सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर. सिंह का कहना है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत सिर्फ पाकिस्तान से ही नहीं, बल्कि चीन से भी लड़ रहा था। उन्होंने कहा कि मोर्चे पर पाकिस्तान था, जबकि चीन हथियार और अन्य सहायता मुहैया करा रहा था। नई दिल्ली में पिक्की के श्न्यू एज मिलिट्री टेक्नोलॉजीश् इवेंटश् में उपसेना प्रमुख ने एक बड़ा खुलासा यह किया कि चीन ने पाकिस्तान को हथियार दिए और उन हथियारों की टेस्टिंग के लिए भारत को प्रयोगशाला की तरह इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि चीन हमारे हर रणनीतिक कदम का लाइव अपडेट पाकिस्तान के साथ शेयर कर रहा था। भारतीय सेना के उच्च पदस्थ अफ्सर के इस खुलासे ने एक बार फिर इस तथ्य को गहराई से रेखांकित किया है कि भारत की सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा पहले भी चीन ही था और आज भी चीन ही है। अब तो वह पहले से भी ज्यादा बड़ा खतरा हो गया है, क्योंकि भारत सरकार की कूटनीतिक विफलता के चलते बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल, मालदीव आदि दक्षिण एशिया के लगभग सभी देश चीन के पाले में चले गए हैं। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के खिलाफ चीन की जो भूमिका रही है, वह दिवंगत समाजवादी नेता जॉर्ज फर्नांडीज की उस चेतावनी की याद दिलाती है, जिसमें उन्होंने चीन को भारत का दुश्मन नंबर एक करार दिया था। बात 27 साल पुरानी है। तब भी केंद्र में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की सरकार थी जिसका नेतृत्व अटल बिहारी वाजपेयी कर रहे थे। मई 1998 में वाजपेयी सरकार ने श्पोखरण-2श् परमाणु परीक्षण किया था, जिसकी वजह से अमेरिका ने भारत को काली सूची में डाल दिया था। उस विस्फोट के बाद ही एनडीए सरकार के रक्षा मंत्री जॉर्ज फर्नांडीज ने अपने एक चौंकाने वाले बयान में सामरिक दृष्टि से चीन को भारत का दुश्मन नंबर एक करार दिया था। जॉर्ज का यह बयान निश्चित ही ठोस सूचनाओं पर आधारित रहा होगा, जो रक्षा मंत्री होने के नाते उन्हें हासिल हुई होंगी। मगर उनका यह बयान कई लोगों को रास नहीं आया था। उनके ही कई साथी मंत्रियों ने उनके इस बयान पर नाक-भौं सिकोड़ी थी। आज की तरह उस समय भी कांग्रेस विपक्ष में थी और उसे ही नहीं, बल्कि एनडीए की नेतृत्वकारी भारतीय जनता पार्टी और उसके पितृ संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को भी जॉर्ज का यह बयान नागवार गुजरा था। वामपंथी दलों को तो स्वाभाविक रूप से जॉर्ज की यह साफगोई नहीं ही सुहा सकती थी, सो नहीं सुहाई थी। यह दिलचस्प था कि संघ और वामपंथियों के रूप में दो परस्पर विरोधी विचारधारा वाली ताकतें इस मुद्दे पर एक सुर में बोल रही थीं, ठीक वैसे ही जैसे दोनों ने अलग-अलग कारणों से 1942 में श्भारत छोड़ो आंदोलनश् का विरोध किया था। जॉर्ज के इस बयान के विरोध के पीछे भी दोनों की प्रेरणाएं अलग-अलग थीं। संघ परिवार जहां अपनी चिर-परिचित मुस्लिम विरोधी ग्रंथी के चलते पाकिस्तान के अलावा किसी और देश को भारत के लिए सबसे बड़ा खतरा नहीं मान सकता था, वहीं वामपंथी दल चीन के साथ अपने वैचारिक बिरादराना रिश्तों के चलते जॉर्ज के बयान को खारिज कर रहे थे। कई तथाकथित रक्षा विशेषज्ञों और विश्लेषकों समेत मीडिया के एक बड़े हिस्से ने भी इसके लिए जार्ज की काफी लानत-मलानत की थी। जॉर्ज अब इस दुनिया में नहीं हैं लेकिन चीन को लेकर उनका आकलन समय की कसौटी पर बीते दो दशकों के दौरान कई बार सही साबित हुआ है। इस समय भी चीन का रवैया जॉर्ज के कहे की तसदीक कर रहा है। वैसे न तो चीनी खतरा भारत के लिए नया है और न ही उससे आगाह करने वाले जॉर्ज अकेले राजनेता रहे। 2017 में चीन की सेना जब डोकलाम में कई



किलोमीटर अंदर तक घुस आई थी, तब संयुक्त मोर्चा सरकार में रक्षा मंत्री रहे मुलायम सिंह यादव ने भी अपने अनुभव के आधार पर चीनी खतरे के प्रति सरकार को आगाह किया था। इस मसले पर लोकसभा में बहस के दौरान मुलायम सिंह ने दो टूक कहा था कि भारत की सुरक्षा को सबसे बड़ा खतरा चीन से ही है और सरकार उसे हल्के में न ले। दरअसल चीन ने जब तिब्बत पर कब्जा किया था, तब से ही वह भारत के लिए खतरा बना हुआ है। देश को सबसे पहले इस खतरे की चेतावनी डॉ. राममनोहर लोहिया ने दी थी। तिब्बत पर चीनी हमले को उन्होंने शिशु हत्या करार देते हुए तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू से कहा था कि वे तिब्बत पर चीनी कब्जे को मान्यता न दें, लेकिन नेहरू ने लोहिया की सलाह मानने के बजाय चीनी नेता चाऊ एनलाई से अपनी दोस्ती को तरजीह देते हुए तिब्बत को चीन का अविभाज्य अंग मानने में जरा भी देरी नहीं की। यह वह समय था जब भारत को आजाद हुए महज 11 वर्ष हुए थे और माओ की सरपरस्ती में चीन की लाल क्रांति भी नौ साल पुरानी ही थी। हमारे पहले प्रधानमंत्री नेहरू तब श्समाजवादी भारतश् का सपना देख रहे थे, जिसमें चीन से युद्ध की कोई जगह नहीं थी। उधर माओ को पूरी दुनिया के सामने जाहिर करना था कि साम्यवादी कट्टरता के मामले में वे लेनिन और स्टालिन से भी आगे हैं। तिब्बत पर कब्जा उनके इसी मंसूबे का नतीजा था। इतना सब होने के बावजूद लगभग एक दशक तक भारत-चीन के बीच राजनयिक रिश्ते अच्छे रहे। दोनों देशों के शीर्ष नेताओं ने एक-दूसरे के यहां कई यात्राएं कीं, लेकिन 1960 का दशक शुरू होते-होते चीनी नेतृत्व के विस्तारवादी इरादों ने अंगड़ाई लेना शुरू कर दी और भारत के साथ उसके रिश्ते शीतकाल में प्रवेश कर गए। तिब्बत जब तक आजाद देश था, तब तक चीन और भारत के बीच कोई सीमा विवाद नहीं था क्योंकि तब भारतीय सीमाएं सिर्फ तिब्बत से मिलती थीं। लेकिन चीन द्वारा तिब्बत को हथिया लिए जाने के बाद वहां तैनात चीनी सेना भारतीय सीमा का अतिक्रमण करने लगी। उन्हीं दिनों चीन द्वारा जारी किए गए नक्शों से भारत को पहली बार झटका लगा। उन नक्शों में भारत के सीमावर्ती इलाकों के साथ ही भूटान के भी कुछ हिस्से को चीन का भू-भाग बताया गया था। चूंकि इसी दौरान भारत यात्रा पर आए तत्कालीन चीनी नेता चाऊ एनलाई नई दिल्ली में पंडित नेहरू के साथ हिंदी-चीनी भाई-भाई का नारा लगाते हुए शांति के कबूतर उड़ा चुके थे, लिहाजा भावुक भारतीय नेतृत्व को भरोसा था कि सीमा विवाद बातचीत के जरिए निपट जाएगा। मगर 1962 का अक्टूबर महीना भारतीय नेतृत्व के भावुक सपनों के ध्वस्त होने का रहा, जब चीन की सेना ने पूरी तैयारी के साथ भारत पर हमला बोल दिया। हमारी सेना के पास मौजूं सैन्य साजो-सामान का अभाव था। लिहाजा भारत को पराजय का कड़ुवा घूंट पीना पड़ा और चीन ने अपने विस्तारवादी नापाक मंसूबों के तहत हमारी हजारों वर्ग मील जमीन हथिया ली। इस तरह तिब्बत पर चीनी कब्जे के वक्त लोहिया द्वारा जताई गई आशंका सही साबित हुई। चीन से मिले इस गहरे जख्म के बाद दोनों देशों के रिश्तों में लगभग डेढ़ दशक तक बर्फ जमी रही जो 1970 के दशक के उत्तरार्ध में केंद्र में पहली गैर कांग्रेसी सरकार बनने पर कुछ हद तक हटी। दोनों देशों के बीच एक बार फिर राजनयिक रिश्तों की बहाली हुई। तब से लेकर अब तक दोनों देशों के बीच राजनयिक रिश्ते भी बने हुए हैं और पिछले ढाई दशक के दौरान दोनों देशों के बीच व्यापार में भी 32 गुना इजाफा हो गया है। लेकिन इस सबके बावजूद चीन के विस्तारवादी इरादों में कोई तब्दीली नहीं आई है। कभी उसकी सेना हमारे यहां लद्दाख में घुस आती है तो कभी सिक्किम में और कभी अरुणाचल में। अपने नक्शों में भी वह जब-तब इन इलाकों को अपना बता देता है। उसके ऐसा करने का सिलसिला पिछले एक दशक के दौरान काफी तेज हो गया है, जिसके चलते दो-तीन मर्तबा दोनों देशों की सेनाएं भी आमने-सामने आ चुकी हैं। अरुणाचल प्रदेश और लद्दाख में तो चीनी सेना कई किलोमीटर तक अंदर आकर अपनी चौकियां कायम कर चुकी हैं लेकिन सरकार के उसकी इन हरकतों पर कभी गंभीरता नहीं दिखाई। उसने अपने घरेलू राजनीतिक तकाजों के मद्देनजर हमेशा पाकिस्तान को ही भारत के लिए बड़ा खतरा माना।

संम्पादकीय

हिमालयी परिवेश की रक्षा

हाल के दिनों में हिमालयी राज्यों खासकर हिमाचल व उत्तराखंड में अतिवृष्टि और बादल फटने की घटनाओं में जिस तेजी से पुनरावृत्ति हुई है, उसे मौसम के चरम के रूप में देखे जाने की जरूरत है। हालांकि, तात्कालिक जरूरत आपदा प्रभावित जिलों में राहत, बचाव व पुनर्वास के प्रयासों में तेजी लाने की है, लेकिन सबसे बड़ी जरूरत मौसम के चरम के बीच अचानक आती बाढ़ और बार-बार बादल फटने के कारणों को भी समझने की है। हाल ही में, इन्हीं मुद्दों की तरफ हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने भी ध्यान खींचा है। निस्संदेह, इन कारणों की पड़ताल के लिए विषय विशेषज्ञों की सहायता लेना भी जरूरी है। पिछले दिनों हिमाचल में आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक में मुख्यमंत्री ने उन उपायों की सूची पर चर्चा की, जिन्हें तत्काल लागू करने की आवश्यकता है। इन उपायों में नदियों में अवैज्ञानिक तरीके से मलबा फेंकने की जांच, नियमित मौसम अपडेट देना और नदी-नालों से कम से कम सौ मीटर की दूरी पर घरों का निर्माण करना शामिल है। लेकिन इसके प्रभावी लक्ष्य तभी हासिल किए जा सकते हैं जब इस बाबत किसी ठोस योजना को अमलीजामा पहनाया जाए और साथ ही नीतियों के क्रियान्वयन की समय सीमा निश्चित की जाए। निश्चित रूप से मौजूदा संकट को देखते हुए युद्धस्तर पर काम करने की जरूरत है। वह समय चला गया जब सरसरे आदेश दिये जाते और सिफारिशें की जाती थीं। कानूनों और नियमों की अनदेखी के खिलाफ सभी एजेंसियों को तालमेल बैठाकर इस दिशा में अभियान चलाने की जरूरत है। वनों की अवैध कटाई, अनियोजित निर्माण और अवैज्ञानिक विकास प्रथाओं पर लगाम लगाना बेहद जरूरी है। इसके लिये सरकारी मशीनरी को मिशन मोड में काम करने की जरूरत होगी। जिसके लिये मजबूत राजनीतिक इच्छा शक्ति की जरूरत है। भले ही राज्य की सत्ता में दो दलों का वर्चस्व हो और उनकी विचारधाराओं में टकराव रहा हो, लेकिन इस मुद्दे पर एकजुट होकर संकट का मुकाबला करने की जरूरत है। निश्चय ही हाल के वर्षों में पहाड़ विरोधी विकास ने हिमालयी राज्यों की अस्मिता को आहत किया है। हिमालयी राज्यों में लोग पहाड़ों के मूल चरित्र में हस्तक्षेप करने वाले विकास की विसंगतियों की कीमत चुके रहे हैं। अब चाहे बड़े बांध हों या फोर लेन सड़के हों। निस्संदेह, विकास हर राज्य की प्राथमिकता है, लेकिन विकास योजनाओं को पहाड़ों की जरूरत के मुताबिक बनाया जाना चाहिए। इन राज्यों में स्थितियां विकट हैं और हालात और खराब होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। भूस्खलन की लगातार बढ़ती घटनाएं और दरकती सड़कें इसकी बानगी मात्र हैं। कुल मिलाकर पहाड़ों के अस्तित्व पर संकट बढ़ा है। निस्संदेह, मौजूदा रणनीति और नीतियां इस संकट से निबटने में सक्षम नहीं हैं। सत्ता में बैठे लोगों के लिये जरूरी है कि वे मौसम विशेषज्ञों, पर्यावरणविदों और क्षेत्र के अनुभवी लोगों से राय लें। साथ ही तकनीकी समाधानों को वरीयता दी जाए। इसमें दो राय नहीं कि मानव जनित समस्याओं के निदान के लिये मानवीय दृष्टि से संवेदनशील समाधान तलाशने की जरूरत है। निश्चित रूप से इसमें समुदाय के तौर पर एकजुटता के अलावा अन्य कोई विकल्प नहीं रह जाता।

बिहार चुनावों में महिलाओं पर दांव के निहितार्थ

ललित गर्ग

बिहार में इस साल अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा चुनाव होने हैं। चुनाव आयोग ने अभी तक मतदान की तारीखों की घोषणा नहीं की है, लेकिन राज्य में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। विभिन्न राजनीतिक दल लुभावनी घोषणाएं कर रहे हैं, नये-नये मुद्दों को उछाला जा रहा है। गोपाल खेमका हत्याकांड हो या तंत्र मंत्र के चलते एक ही परिवार के पांच लोगों को जला देने की त्रासद घटना- नीतीश कुमार पर सवाल खड़े किए जा रहे हैं। विधानसभा चुनाव से ठीक पहले मतदाता सूचियों के विशेष सघन पुनरीक्षण अभियान पर संदेह के सवालों के साथ मुखर विपक्षी दल इसके खिलाफ राजनीतिक लड़ाई के साथ ही कानून विकल्पों पर भी गंभीरता से विचार कर रहे हैं। इस बीच, एनडीए की सहयोगी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता चिराग पासवान ने एनडीए से दूरी बनाते हुए बिहार की सभी 243 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने का संकेत देकर सियासी परिदृश्य को दिलचस्प बना दिया है। इन्हीं परिदृश्यों के बीच बिहार सरकार ने सरकारी नौकरियों में स्थानीय महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने के फैसला लेकर चुनावी सरगर्मियों को एक नया मोड़ दे दिया है। बिहार सरकार का यह निर्णय केवल एक चुनावी रणनीति भर नहीं, बल्कि एक गहरे सामाजिक परिवर्तन का संकेतक भी है। तय है कि इस बार के बिहार चुनाव के काफी दिलचस्प एवं हंगामेदार होंगे। सरकारी नौकरियों में स्थानीय महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत आरक्षण के गहरे निहितार्थ हैं। एनडीए की नीतिश सरकार ने स्थानीय महिलाओं को प्राथमिकता देने एवं उनके लिए सरकारी रोजगार उपलब्ध कराने के इस ब्रह्मास्त्र को दाग कर चुनावी समीकरण अपने पक्ष में कर लिये हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इसे ÷महिला सशक्तिकरण का राजनीतिक समाधान÷ बताया, क्योंकि राज्य की महिलाएँ कई चुनावों में निर्णायक भूमिका निभा रही हैं। पिछली लोकसभा चुनाव में महिलाओं की मतदान दर पुरुषों से कहीं अधिक रही, 59.45 प्रतिशत महिलाओं ने हिस्सा लिया जबकि पुरुष केवल 53 प्रतिशत मतदान करने पहुंचे। यह आंकड़ा दिखाता है कि चुनावी जीत में महिला मतदाता कितनी निर्णायक हो सकते हैं, साफ है, सत्ता की चाबी वहां महिलाओं ने अपने हाथों में ले ली है और वे धार्मिक व जातिगत आग्रहों से अधिक लैंगिक हितों से प्रेरित हैं। बिहार उन शुरुआती राज्यों में एक है, जिसने पंचायत और स्थानीय निकायों में आधी आबादी के लिए पचास फीसदी सीटें आरक्षित की हैं। इस कदम ने यहां की स्त्रियों में जबर्दस्त राजनीतिक जागरूकता पैदा की है। चुनावों की दशा एवं दिशा बदलने में महत्वपूर्ण एवं निर्णायक किरदार निभाने के कारण ही हरेक राजनीतिक दल महिला वर्ग को आकर्षित करने में जुट गया है। राजद-कांग्रेस-वाम दलों का महागठबंधन 'माई-बहिन मान योजना' के तहत महिलाओं को प्रतिमाह 2,500 रुपये देने का वायदा कर चुका है, तो राजद नेता तेजस्वी यादव बेरोजगारी और डोमिसाइल के मुद्दे को जोर-शोर से उठा रहे हैं। ऐसे में, नीतीश सरकार के इस नीतिगत दांव को समझा जा सकता है। जातिगत और स्थानीय समीकरण भुनाने के लिए निश्चित ही यह एक संगठित चाल है, जहां जाति और आवासीयता दोनों को आधार बनाया गया यह सर्वविदित तथ्य है कि भारत में शैक्षिक क्षेत्र में लैंगिक खाई लगातार सिमट रही है। बिहार की बेटियां देश के अनेक महानगरों में अपनी योग्यता और मेहनत के दम पर पहचान बना चुकी हैं। सूचना क्रांति, बढ़ती अपेक्षाओं और सामंती बंधनों के ढीले पड़ते जाने के कारण अब ग्रामीण बिहार की बेटियां भी ऊंचे सपने संजो रही हैं। हाल ही में बिहार में शिक्षकों की नियुक्ति के दौरान यह देखा गया कि देश के विभिन्न प्रदेशों की योग्य लड़कियां इंटरव्यू देने आईं, जिनमें से अनेक ने सफलता प्राप्त की और अब बिहार के सरकारी स्कूलों में अध्यापन कर रही हैं। निस्संदेह, यह एक सैद्धांतिक रूप से प्रगतिशील और समावेशी समाज का प्रतीक है, जहाँ महिलाएं सीमाओं से परे जाकर अपनी पहचान



बना रही हैं। लेकिन व्यावहारिक धरातल पर देखें, तो महिला सुरक्षा, सामाजिक असमानता, आवास व पारिवारिक बाधाएं, और प्रवास की मजबूरियाँ अब भी मौजूद हैं। ऐसे में यदि सरकारें योग्य महिलाओं को उनके घर के आस-पास ही रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएं, तो यह न केवल महिला सशक्तिकरण की दिशा में सार्थक कदम होगा, बल्कि सामाजिक संरचना में स्थिरता और पारिवारिक सहूलियत का भी कारण बनेगा। यही कारण है कि नीतीश कुमार सरकार महिला मतदाताओं को लुभाने के लिए एक के बाद एक योजनाएं ला रही है। साइकिल योजना, पोशाक योजना, कन्या उत्थान योजना, वृद्धावस्था पेंशन में वृद्धि, पिंक टॉयलेट, महिला पुलिस भर्ती में आरक्षण जैसे कई कदम इस सिलसिले में पहले ही उठाए जा चुके हैं। यह मान्यता कि बेटियां अब सिर्फ अपने घरों की शोभा नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की भागीदार हैं, नीति निर्माण में स्पष्ट झलकने लगा है। यह न केवल बिहार की महिलाओं को उनके अधिकार का अनुभव कराएगा, बल्कि बेरोजगारी से जूझते प्रदेश में स्थानीय प्रतिभा के पलायन को भी रोकेगा। इस फैसले से खास तौर पर निम्न और मध्यमवर्गीय महिलाओं को फायदा होगा, जिनके लिए दूसरे शहरों में जाकर नौकरी करना एक बड़ा पारिवारिक और सामाजिक संकट बन जाता है। घर के पास नौकरी मिलने से न केवल सुरक्षा की भावना बढ़ेगी, बल्कि समाज में महिलाओं की स्थायी उपस्थिति और भूमिका भी मजबूत होगी। हालांकि इस फैसले को लेकर विपक्षी दलों की मिश्रित प्रतिक्रिया सामने आई है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने इसे नीतीश कुमार की चुनावी चाल बताया है और आरोप लगाया है कि सरकार महिलाओं की वास्तविक समस्याओं को दूर नहीं कर पा रही, बल्कि सिर्फ भावनात्मक मुद्दों को उछालकर वोट बटोरने की कोशिश कर रही है। तेजस्वी यादव का कहना है कि ÷महिला आरक्षण सही है, लेकिन रोजगार के अवसर कब हैं? सरकारी नियुक्तियों की प्रक्रिया वर्षों से लटकी रहती है, परीक्षा की तारीखें टलती हैं, नियुक्ति पत्र देर से आते हैं, ऐसे में आरक्षण का लाभ कब और किसे मिलेगा? उनकी बातों में सच्चाई भी है, क्योंकि प्रक्रियाओं की पारदर्शिता और समयबद्धता भी उतनी ही आवश्यक है जितनी आरक्षण की नीति। यह महिला आरक्षण अब केवल बिहार के स्थायी निवासियों अर्थात डोमिसाइल महिलाओं के लिए ही होगा। यानी जो महिलाएं राज्य की स्थायी निवासी नहीं हैं, उन्हें इस आरक्षण का लाभ नहीं मिलेगा-उन्हें सामान्य श्रेणी में आवेदन करना होगा। इसलिये इसे केवल घरेलू हितों को साधने वाला प्रत्यक्ष प्रचार माना जा रहा है, जिसमें गैर-स्थायी निवासियों को अवसरों से वंचित किया जा रहा है। विपक्ष इस कदम को डोमिसाइल नीति के अनुरूप बताते हुए सवाल उठा रहा है कि क्या इससे सामाजिक न्याय और समान अवसर की भावना नहीं बिगड़ जाएगी? बिहार में बेरोजगारी चुनावी चर्चा का मुख्य मुद्दा है। युवा खासकर उच्चशिक्षित वर्ग नौकरी की तलाश में है। 35? प्रतिशत आरक्षण के साथ-साथ सरकार ने वेकेंसी क्रिएशन, युवा आयोग गठन, कृषि व सड़क इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च जैसे उपाय किए है। 2025 के बिहार चुनाव बहुआयामी लड़ाई से परिपूर्ण है, जातिगत समीकरण, युवा और ग्रामीण विकास, मतदाता सूची संशोधन जैसे मुद्दों ने चुनावी माहौल को गहराई दी है। सरकार ने पिछले बजट में 'महिला हाट', 'पिंक बस', 'पिंक टॉयलेट', स्कूल जाने वाली लड़कियों के लिए साइकिल योजनाएं, दिव्यांग उम्मीदवारों के लिए ÷संबल÷ वित्तीय सहायता जैसी महिलाओं को लुभाने वाली योजनाओं के प्रावधान किये हैं। नीतीश सरकार ने चुनावों को देखते हुए सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत मिलने वाली राशि में भारी बढ़ोतरी की घोषणा की है। अब वृद्ध, दिव्यांग और विधवा महिलाओं को प्रतिमाह 400 रुपए की बजाय 1100 रुपए पेंशन मिलेगी। इस घोषणा के बाद पूरे बिहार में पेंशन के 1 करोड़ 9 लाख 69 हजार लाभार्थियों में हर्ष का माहौल दिखाई दे रहा है। यह कहना उचित होगा कि बिहार की राजनीति इस बार स्थानीयता, जातिगत समीकरण और सामाजिक कल्याण के मिश्रित आरोपणों के बीच गंभीर मुठभेड़ के दौर से गुजर रही है। चुनाव नतीजे यह तय करेंगे कि क्या यह रणनीतियाँ सचमुच सतत परिवर्तन की ठोस बुनियाद रखेंगी, या चुनावी भाषण के बाद हवा में खो जाएँगी। नवीनतम ओपिनियन पोल बताते हैं कि एनडीए फिर सत्ता में लौट सकता है, खासकर महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों के बीच मजबूत समर्थन के चलते।

आज का राशिफल

मेष निकट संबंधों में शंकाओं को हावी न होने दें। भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति होने के आसार बनेंगे। नौकरी का वातावरण सुखद होगा। सगे-संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी।

वृषभ आर्थिक क्षेत्र में लाभ के आसार हैं। अवरोधित कार्य हल होंगे। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। विद्यार्थियों के लिए ग्रहों की अनुकूलता लाभप्रद होगी।

सिंह नकारात्मक चिंताओं का त्याग करें। महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां अपनी पूर्ति हेतु मन पर दबाव बनाएंगी। वर्तमान में आपको सकारात्मक सोच के साथ सकारात्मक दिशा में प्रयास करना चाहिए।

कन्या किसी नये कार्य की ओर आपका रुझान बढ़ेगा। किसी महत्वपूर्ण फैसले के लिए मन केंद्रित होगा। नवीन योजनाओं द्वारा प्रगति होगी। जीवन साथी के साथ मधुरता कायम रखें।

धनु मन सुंदर कल्पनाओं से प्रभावित रहेगा। नये संबंधों के प्रति निकटता बढ़ेगी। उपस्थित साधनों में सन्तुष्ट व तृप्त होने का प्रयत्न करें। जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति सतर्कता अपेक्षित है।

मकर विभागीय परिवर्तनों से कुछ दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। अपने अन्दर धैर्य व वाणी में मधुरता लावें। कुछ नई अभिलाषाएं मन में जागृत होंगी। प्रियजनों का सनिध्य प्राप्त होगा।

मिथुन संबंधों में कटु वचनों का प्रयोग न करें। माता के स्वास्थ के प्रति सचेत रहें। अच्छे कायरे द्वारा प्रशंसा के पात्र बनेंगे। राजनीति से जुड़े लोगों को ग्रहों की अनुकूलता का लाभ मिलेगा।

कर्क बीती बातों को भूलने की कोशि करें। रोजगार में कुछ अच्छे अवसर मिलेंगे। भौतिक इच्छाएं बलवती होंगी। अभिभावकों के भावनात्मक सहयोग से उत्साह में वृद्धि होगी।

तुला महत्वाकांक्षाएं मन पर प्रभावी होंगी। घरेलू कायरें में अत्याधिक व्यय का योग है। कार्यक्षेत्र में व्यस्तता बढ़ेगी। परिवार में सुखद स्थिति प्रसन्नता लाएगी।

वृश्चिक परिश्रम का समुचित लाभ प्राप्त होगा। पारिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा। महत्वपूर्ण योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा।

कुंभ राजनीति से जुड़े लोगों के लिए समय अनुकूल रहेगा। अच्छे कायरे के लिए प्रशंसनीय होंगे। शासन-सत्ता से लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा।

मीन आवेश में किये गये कार्य से कष्ट संभव। भावनात्मक समस्याओं पर सगे-संबंधियों के बीच खुलकर बात करें। कुछ नये उत्साह व कार्य क्षमता की अनुभूति करेंगे।

विवादास्पद चार श्रम संहिताओं के क्रियान्वयन का भाग्य दांव पर

डॉ. ज्ञान

देश भर के औद्योगिक क्षेत्रों से मिल रहे सभी संकेत बताते हैं कि 9 जुलाई, 2025 को अखिल भारतीय मजदूर हड़ताल एक निर्णायक दौर होगा, जिसके परिणाम, चाहे अच्छे हों या बुरे, मजदूर संघों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार दोनों को ही भुगतने होंगे और उनसे निपटना होगा। इस आम हड़ताल की सफलता या विफलता चार विवादास्पद श्रम संहिताओं के क्रियान्वयन का भाग्य तय कर सकती है, जिन्हें फिलहाल रोक रखा गया है, लेकिन केंद्र उन्हें जल्द से जल्द लागू करना चाहता है। केंद्र की कार्रवाइयों में जो विरोधाभास देखा जा रहा है, उसने मजदूरों को सरकार की असली मंशा के बारे में सबसे ज्यादा आशंकित कर दिया है। सरकार ने चार श्रम संहिताओं -एक 2019 में भारत की संसद में पारित होने के बाद, और तीन 2020 में -को कई कारणों से रोक रखा है, जिसमें अखिल भारतीय हड़ताल की कार्रवाई सहित अनेक विरोध प्रदर्शन सहित कामगारों का कड़ा विरोध, केंद्र और राज्यों के अपने नियमों के साथ तैयार न होना, और भारतीय औद्योगिक प्रतिष्ठानों द्वारा आवश्यक उपाय के साथ तैयार न रहना शामिल है। हालांकि, सरकार श्रम कानूनों के वर्तमान ढांचे में संहिताओं के विभिन्न प्रावधानों को लागू कर रही है। मौजूदा श्रम कानूनों में न केवल केंद्रीय स्तर पर बल्कि राज्य स्तर पर भी संशोधन किये जा रहे हैं। उदाहरण के लिए, कई राज्य सरकारों ने महिलाओं के लिए रात की पाली में काम करने, निश्चित अवधि के रोजगार की अनुमति देने के लिए श्रम कानूनों में संशोधन और कारखाना अधिनियम, अनुबंध श्रम



अधिनियम और औद्योगिक विवाद अधिनियम जैसे श्रम कानूनों की प्रयोज्यता के लिए श्रमिकों की सीमा बढ़ाना शामिल है, जिससे नियोक्ताओं को श्नौकरी पर रखने और निकालनेश्य की खुली छूट मिल गयी है। पश्चिम बंगाल और केरल जैसे राज्य उन राज्यों में से हैं जो श्रम संहिताओं के तहत विभिन्न प्रावधानों पर आपत्ति जता रहे हैं। केंद्र सरकार का इरादा 1 अप्रैल, 2025 से श्रम संहिताओं को लागू करने का था, क्योंकि लगभग 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने पहले ही चार संहिताओं के अनुरूप मसौदा नियम प्रकाशित कर दिये थे और लगभग 20 ने उन परिवर्तनों को लागू कर दिया था। फिर भी, 10 केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के संयुक्त मंच के कड़े विरोध और सरकार का समर्थन करने वाले भारतीय मजदूर संघ द्वारा भी कुछ प्रावधानों पर व्यक्त की गयी कुछ आपत्तियों के कारण अधिसूचना को स्थगित कर दिया गया था। केंद्र द्वारा 1 अप्रैल, 2025 से श्रम संहिताओं को लागू करने के अपने इरादे से पीछे हटने का एक प्रमुख कारण राष्ट्रीय श्रमिक सम्मेलन द्वारा 20 मई, 2025 को अखिल भारतीय श्रमिक हड़ताल का आह्वान किया जाना था, जो सामान्य रूप से केंद्र की श्रम-विरोधी नीतियों और विशेष रूप से नये श्रम संहिताओं और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के निजीकरण के खिलाफ अपने दो महीने के श्रमिक अभियान के समापन पर आयोजित था। श्रमिक आंदोलन का आह्वान उनकी 17सूत्री मांगों पर जोर देने के लिए किया गया था। इस बीच, 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने 7 मई को पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य जवाबी कार्रवाई की, जिसे ऑपरेशन सिंदूर नाम दिया गया। इसके बाद 10 केंद्रीय ट्रेड यूनियनों -इंटक, एटक, हिमस, सीटू, एआईटीयूसी, टीयूसीसी, सेवा, एआईसीसीटीयू, एलपीएफ और यूटीयूसी - और स्वतंत्र क्षेत्रीय संघों के संयुक्त मंच ने 15 मई को नई दिल्ली में स्थिति की समीक्षा करने के लिए बैठक की और 9 जुलाई को होने वाली मजदूरों की हड़ताल को पुनर्निर्धारित करने का फैसला किया। 9 जुलाई को होने वाली अंतिम अखिल भारतीय हड़ताल के लिए 20 जून से 8 जुलाई तक पूरे देश में विरोध गतिविधियों के साथ एक तैयारी आंदोलन कार्यक्रम की भी घोषणा की गयी थी। अब तक के तैयारी आंदोलन कार्यक्रम बहुत प्रभावशाली रहे हैं, और इसलिए कोई यह निष्कर्ष निकाल सकता है कि 9 जुलाई की मजदूरों की हड़ताल बहुत बड़ी होगी। बैंक और बीमा यूनियनों ने देशव्यापी हड़ताल में भाग लेने की घोषणा की है। उनकी प्रमुख मांगों में निजीकरण को रोकना, एफडीआई वृद्धि का विरोध और पुरानी पेंशन योजना को बहाल करना शामिल है। संयुक्त किसान मोर्चा सहित किसान और खेत मजदूर संघ भी मजदूरों की हड़ताल में भाग लेंगे, जो देश भर में सड़कों और गलियों में अपनी उपस्थिति के साथ 9 जुलाई की हड़ताल को और भी मजबूत बना देगा। सरकार समर्थित बीएमएस इस हड़ताल में भाग नहीं लेगा। वे न तो हड़ताल का विरोध कर रहे हैं और न ही समर्थन कर रहे हैं, जो 9 जुलाई की हड़ताल को और अधिक महत्वपूर्ण बनाता है। कई अन्य श्रमिक संगठन और कर्मचारी संघ भाग लेने के लिए कूद पड़े हैं। बिहार में विपक्षी महागठबंधन (इंडिया ब्लॉक) दलों ने 9 जुलाई की हड़ताल में भाग लेने का फैसला किया है और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के खिलाफ आवाज बुलंद करेंगे। आरजेडी और सीपीआई (एम)एल ने पहले ही पूरे राज्य में 9 जुलाई को अपने आंदोलन कार्यक्रम तैयार कर लिए हैं।

लोकमंच भारत न्यूज
गुरुवार,10 जुलाई 2025

कावंड़ियो की सुविधा के दृष्टिगत जिलाधिकारी व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने कावंड मार्ग का किया निरीक्षण

- मार्गो के गड्ढो, विद्युत पोलो में पन्नी बांधने, अतिक्रमण हटाने आदि से सम्बन्धित अधिकारियों को कल तक पूर्ण करने का दिया निर्देश
- कानून व्यवस्था को बनाए रखने व कुशलतापूर्वक सम्पन्न कराने के लिए मजिस्ट्रेटो की की गई तैनाती

लोकमंच भारत न्यूज

मीरजापुर। बुधवार को 09 जुलाई से 11 जुलाई 2025 से प्रारम्भ होकर श्रावण पूर्णिमा/रक्षाबंधन दिनांक 09 अगस्त 2025 तक श्रावण मास में कावंड़ियों की यात्रा व शिवभक्तो द्वारा विभिन्न गंगा घाटो से पवित्र जल लेकर शिवमन्दिरो/शिवालयों तक जलाभिषेक कार्यक्रम को सकुशल सम्पन्न कराने व कावंड़ियो की सुविधा के दृष्टिगत जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सोमेन बर्मा ने आज नगर के बरियाघाट का निरीक्षण कर बरिया घाट से वासलीगंज, गिरधर चैराहा होते हुए तहसील रोड मार्ग तक पैदल भ्रमण कर व्यवस्थाओ का निरीक्षण किया। इस दौरान बरियाघाट पर गंगा नदी में जल स्तर को देखते हुए पानी में बैरीकेटिंग व सीढ़ियो पर चढ़ने व उतरने के लिए अलग-अलग मार्ग बनाने हेतु बैरीकेटिंग, प्रकाश व्यवस्था, महिलाओं के वस्त्र बदलने के स्थान आदि निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिया गया। तत्पश्चात जिलाधिकारी व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा बरियाघाट से वासलीगंज गिरधर चैराहा होते हुए तहसील तक पैदल भ्रमण कर निरीक्षण किया गया। बरियाघाट तथा वासलीगंज



में सड़को के पटरियो पर किए गए अतिक्रमण को हटाने तथा सड़को पर कहीं-कहीं गड्ढा की मरम्मत तथा गिरधर चैराहे से राजकीय इण्टर कालेज के गेट तक के सड़क को तत्काल मरम्मत करने का निर्देश गंगा प्रदूषण नियंत्रण (जल निगम नगरीय) एवं लोक निर्माण विभाग को दिया गया। जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि पुलिस से समन्वय स्थापित कर सड़को पर किए गए अतिक्रमण को तत्काल हटवाना सुनिश्चित करें ताकि कावड़ियो को किसी प्रकार असुविधा न होने पाए। उन्होंने विद्युत विभाग को निर्देशित करते हुए कहा कि कावंड़ मार्ग में पड़ने वाले विद्युत पोल को कल तक पन्नियों से लपेट कर बांध दिया जाए तथा गिरधर चैराहा मोड़ पर ट्रांसफार्मर के पास फैले तारो को सही करने तथा वहां पर सुरक्षा के दृष्टिगत पन्नी व बैरीकेटिंग लगाने का निर्देश दिया गया। श्रावण मास का कार्यक्रम शान्तिपूर्ण सम्पन्न एवं कानून व्यवस्था कायम रखने के लिए कुशलतापूर्वक सम्पन्न कराए जाने हेतु विभिन्न मार्गो/घाटो व प्रमुख मन्दिरो पर मजिस्ट्रेटो की शिफ्टवार ड्यूटी भी लगाई गई, जिलाधिकारी ने सभी मजिस्ट्रेटो को निर्देशित करते हुए कहा कि अधिकारी अपने प्रतिस्थानी के आने बाद ही ड्यूटी छोड़ेंगे तथा श्रावण मास में मार्ग व्यवस्था, शिवभक्तो/कावंड़ियो की कुशलता, शान्ति व कानून व्यवस्था को स्वाविवेकानुसार अन्य व्यवस्थाओ के सम्बंध में प्रभारी मजिस्ट्रेटो को प्रतिदिन अवगत करायेंगे। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 अजय कुमार सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक नगर नितेश सिंह, नगर मजिस्ट्रेट विनीत उपाध्याय, उप जिलाधिकारी सदर गुलाब चन्द्र, जिला पूर्ति अधिकारी संजय बरनवाल, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद मीरजापुर गोवा लाल, अभिहित अधिकारी खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन मंजुला सिंह, अधिशासी अभियंता विद्युत, गंगा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, लोक निर्माण विभाग, जिला पंचायत राज अधिकारी संतोष कुमार सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहें।

कैबिनेट मंत्री,आशीष पटेल ने ग्रीन गुरु जी को किया सम्मानित

लोकमंच भारत न्यूज

मीरजापुर। 37करोड़ बृक्षारोपण महा अभियान 2025 के दिन ग्रीन गुरु जी ने किया एक पेड़ मां के नाम 2,0÷ के तहत पौध रोपण - 09 जुलाई 2025 को 3662 वें दिन लगातार पौध रोपण के क्रम में खेल क्रान्ति एवं पर्यावरण शुद्धिकरण फाउंडेशन, ट्रस्ट द्वारा संचालित पर्यावरण शुद्धिकरण अभियान के संस्थापक,सचिव , अनिल कुमार सिंह,ग्रीन गुरु जी, मा. मुख्य मंत्री योगी आदित्य नाथ जी द्वारा गंगा सेवक सम्मान से सम्मानित, प्रधानाचार्य, शान्ति निकेतन इण्टर कॉलेज,पचोखरा,मीरजापुर , नमामि गंगे,जिला गंगा संरक्षण समिति एवं जिला पर्यावरणीय समिति सदस्य,मीरजापुर,ब्रांड अम्बेस्डर तथा ध्वजारोहक स्वच्छता,नगरपालिका परिषद, मीरजापुर,जनपदीय समिति सदस्य,एक पेड़ मां के नाम 2.0÷ बृक्षा रोपण अभियान मीरजापुर द्वारा 01जुलाई 2015 से लगातार प्रति दिन किये जा रहे पौध रोपण के 3662 वें



दिन के क्रम में 37करोड़ बृक्षा रोपण महा अभियान 2025 के दिन वन विभाग द्वारा प्रदान किये गए निःशुल्क पौधों का बृहद रोपण विद्यालय के परिसर में सागौन तथा लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स,शान्ति निकेतन इण्टर,कॉलेज,पचोखरा, मीरजापुर के खेल मैदान के पूर्वी व दक्षिणी व उत्तरी छोर पर नहर में किनारे सागौन,कट सागौन,अमरूद,नीम,शलीफ़ा,नीबू,क चनारआंवला,आम,जामुन,महोगनी, बकाइन,हरा सेमल,सहजन आदि प्रजाति के पौधों का बृहद पौध रोपण शिक्षकों,छात्र,छात्राओं व विद्यालय के कर्मचारियों के साथ मिलकर प्रधानाचार्य,अनिल कुमार सिंह,ग्रीन गुरु जी ने किया।साथ ही एक पेड़ मां के नाम 2,0÷ पौध रोपण की कड़ी में ग्रीन गुरु जी ने अपनी मां स्व.पनपत्ती देवी के नाम ग्राफ्टेड आम के पौध का रोपण शान्ति निकेतन इण्टर कॉलेज, पचोखरा,मीरजापुर के परिसर में किया। साथ ही पौध रोपण महा अभियान के जनपदीय पौध रोपण स्थल विकास खण्ड पटेहरा कला के बहती कंपार्टमेंट न0-2,हड़वा,मीरज़ापुर में पहुच कर अपने साथ लेकर गए गुग्गुल व के पौध का रोपण ग्रीन गुरु जी ने किया। कार्यक्रम स्थल पर कैबिनेट मंत्री,आशीष पटेल ने अंगवस्त्रम,प्रतीक चिन्ह व बुके प्रदान कर ग्रीन गुरु जी को समान्नित किया। ग्रीन गुरु जी ने मा.मंत्री जी व डॉ. पिंकी जोवेल, ,सचिव,चिकित्सा स्वास्थ, नोडल बृक्षारोपण को इन्सुलिन का पौध सप्रेम भेंट किया।

एक नजर

खाद से लदा ट्रक में लगी आग

लोकमंच भारत न्यूज मिर्जापुर। अहरौरा थाना क्षेत्र के वाराणसी शक्ति नगर मार्ग पर मेहंदीपुर चौराहे के पास शाहजहांपुर से सोनभद्र जा रही खाद से भरी ट्रक में अचानक आग लग गई। आग लगने से सड़क पर अफरातफरी मच गया। ट्रक चालक दिलीप कुमार



ने बताया कि ट्रक खड़ा कर नास्ता करने चले गए थे। इसी दौरान शॉर्ट सर्किट की वजह से ट्रक में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने फायर एक्सटिंग्विशर का इस्तेमाल किया और आसपास के लोगों ने भी बाल्टी से पानी भर-भर कर जल रहें गाड़ी पर फेंकना शुरू किया काफी मस्क़त के बाद आग पर काबू पा लिया गया मौके पर अहरौरा पुलिस पहुंचकर यातायात को सुचारू रूप से चलाया और क्रेन की मदद से ट्रक को हटाया गया।

सांसे हो रही है कम आओ वृक्ष लगाए हम जिला उपाध्यक्ष विपुल सिंह

एक पेड़ मां के नाम ग्राम प्रधान डॉक्टर महानारायण भारती

लोकमंच भारत न्यूज हलिया मिर्जापुर। लालगंज विकासखंड के ग्राम पंचायत अतरैला राजा गाव मे बुधवार को 37 करोड़ वृक्षारोपण महा अभियान 2025 के तहत भारतीय जनता पार्टी के जिला उपाध्यक्ष व ग्राम प्रधान अतरैला राजा डॉक्टर महानारायण भारती के द्वारा एक पेड़ मां के नाम फलदार वृक्ष आम का लगाया गया। पौधा लगाने के दौरान भारतीय जनता पार्टी के जिला उपाध्यक्ष विपुल सिंह ने बताया कि वृक्ष को सुरक्षित रखें सांसे हो रही है कम



ऑक्सीजन वृक्ष से ही मिलता है हर वर्ष कुछ न कुछ वृक्षारोपण करना चाहिए वृक्षारोपण करने से शरीर को ऑक्सीजन मिलता है जिससे हम सब मिलकर हर वर्ष एक पौधा मां के नाम जरूर लगाए। ग्राम प्रधान डॉक्टर महानारायण भारती ने बताया कि आई स्वच्छ एवं स्वस्थ पर्यावरण सृजित करने हेतु बृहद वृक्षारोपण अभियान में प्रतिभा कर अधिक से अधिक पौधे आरोपित करें। इस मौके अनिरुद्ध तिवारी सचिव सतेन्द्र मिश्रा तकनिकी सहाय राजीव यादव ब्रिज लाल सत्यनारायण पचायत सहायक सहित मनरेगा मजदूर ग्रामीण मौजूद रहे।

राजकीय महाविद्यालय चुनार में पौधारोपण संपन्न



लोकमंच भारत न्यूज चुनार, मिर्जापुर। बुधवार को स्वतंत्रता संग्राम सेनानी विश्राम सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय चुनार मिर्जापुर में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं हरितिमा क्लब के संयुक्त तत्वावधान में व्यापक पौधारोपण कार्यक्रम संपन्न हुआ। जिसके अंतर्गत फालसा,आम, इमली, पीपल,शीशम,अमरूद,चितवन, महुआ,जामुन इत्यादि पौधों को लगाया गया। स्वयं सेवक- स्वयंसेविका छात्र -छात्राओं ने प्राचार्य प्रोफेसर माधवी शुक्ला एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ. दीपक कुमार सिंह के निर्देशन में पौधारोपण कार्यक्रम को संपन्न कराया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर माधवी शुक्ला ने बढ़ते भूमंडलीय तापन एवं पर्यावरण की समस्याओं को देखते हुए पौधारोपण की उपादेयता पर स्वयंसेवकों को संबोधित किया , उक्त अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ दीपक कुमार सिंह ने बताया कि एक पेड़ मां के नाम अभियान में विभिन्न प्रकार के 300 से अधिक पौधों को महाविद्यालय परिसर में एनएसएस एवं अन्य के माध्यम से लगाया जाना है। इस अवसर पर डॉ चंदन शाहू, डॉ कुसुमलता,डॉ मनोज कुमार प्रजापति, डॉ सत्येंद्र कुमार, डॉ संकटा प्रसाद सोनकर, डॉ शेफालिका राय,डॉ नलिनी सिंह,डॉ गुरु प्रसाद सिंह,डॉ शैलेन्द्र कुमार,डॉ अदिति सिंह, डॉ भास्कर द्विवेदी,डॉ चंदन कुमार द्विवेदी,डॉ मंजुला शुक्ला, डॉ शिखा तिवारी,डॉ विद्या सिंह, धर्मेंद्र सिंह, धर्म चंद्र,राम केश सोनकर,श्जय प्रकाश,पारस नाथ सिंह इत्यादि उपस्थित रहे।

मंडलीय अस्पताल परिसर स्थित शिव मंदिर में नगर अध्यक्ष पूर्वी ने किया वृक्षारोपण



लोकमंच भारत न्यूज मिर्जापुर। बुधवार को मंडलीय अस्पताल परिसर स्थित शिव मंदिर में नगर अध्यक्ष पूर्वी डॉली अग्रहरि ने वृक्षारोपण किया। जहां अमरूद, बेल व नीम प्रजाति का पौधा लगाया गया। इस दौरान उन्होंने कहा कि हम बचपन से पढ़ते व सुनते आए हैं कि वृक्ष ही जीवन है। जिससे हमें ऑक्सीजन, भोजन, फल, फूल, मकान, वस्त्र एवं ईंधन आदि प्राप्त होते हैं। अतः प्रत्येक मनुष्य को जीवन में प्रत्येक वर्ष कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए। पौधरोपण से पर्यावरण शुद्ध होगा और लोग भी स्वस्थ रहेंगे। उन्होंने कहा कि एक पेड़ मां के नाम के तहत पूरे देश प्रदेश में वृक्षारोपण किया जा रहा है। इसमें सभी को प्रतिभाग करना चाहिए जिससे उनके द्वारा लगाया गया पौधा, सदैव उनकी मां की याद दिलाता रहेगा। इस दौरान अमित चंदेल, सोनू दुबे, विकेश्वर सिंह, आशीष दुबे, संजय गौड़, अश्वनी विश्वकर्मा आदि लोग उपस्थित रहे।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत आशीष पटेल ने चुनार किले में लगाया पौधा

लोकमंच भारत न्यूज

चुनार मिर्जापुर। एक पेड़ मां के नाम अभियान के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश प्राविधिक शिक्षा एवं उपभोक्ता मंत्री आशीष पटेल ने बुधवार को चुनार किले पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण किया इस अवसर पर जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने भी पौधा रोपण किया। कार्यक्रम के दौरान आशीष पटेल ने क्षेत्र वासियों से अपील करते हुए कहा कि सभी लोग एक पेड़ मां के नाम लगायें और मिर्जापुर का नाम रोशन करें उन्होंने पेड़ लगाने से मिलने वाले कार्बन क्रेडिट का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि धरती का तापमान कम करने के लिए पौधारोपण जरूरी है और सरकार इसके लिए प्रतिबद्ध है। पौधारोपण



कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार,उप जिलाधिकारी राजेश कुमार वर्मा,तहसीलदार योगेंद्र शरण शाह, क्षेत्राधिकारी मंजरी राव, श्रम प्रवर्तन अधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह, अपना दल के जिला अध्यक्ष इं. राम लोटन बिन्द, ब्लॉक प्रमुख सत्येंद्र सिंह और नगरपालिका अध्यक्ष मंसूर अहमद ने भी पौधारोपण किया। इस अवसर पर अपना दल राष्ट्रीय सचिव युवा मंच दिव्यांशु पटेल, दिनेश सिंह पटेल उपाध्यक्ष अनिल पटेल और प्रदेश सचिव विजय प्रधान आदि मौजूद थे।

मुख्यमंत्री के अभियान में नपाध्यक्ष श्यामसुंदर केशरी ने किया वृक्षारोपण

लोकमंच भारत न्यूज

मीरजापुर। सूबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश में वृहद स्तर पर पौधारोपण कराने को लेकर अभियान चलाया है।इस अभियान को लेकर नगर पालिका द्वारा विभिन्न स्थानों पर पौधरोपण कार्य किया जा रहा है।नपाध्यक्ष श्यामसुंदर केशरी ने भी विंध्याचल के एसटीपी पहुंचकर वृक्षारोपण किया।इस वृहद अभियान के अंतर्गत सभासदों,ईओ जी लाल एवं अन्य अधिकारियों ने भी एसटीपी प्रांगण में वृक्षारोपण किया।इस मौके पर नपाध्यक्ष ने कहा की मुख्यमंत्री जी के इस वृहद अभियान को सफल बनाने के लिए पालिका द्वारा कई स्थानों पर वृक्षारोपण किया जा रहा है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी का यही ड्रीम है कि अपना उत्तर प्रदेश हरा भरा हो।वृक्ष धरा का भूषण है और इसके लगाने से प्रदूषण दूर होता है।आज के समय में जिस तरह का वातावरण है,जरूरी है कि नगर के नागरिक अपने नागरिक कर्तव्यों को समझते हुए एक पेड़ अपने मां के नाम पर लगाए,जैसा हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने देश के लोगो से आह्वाहन किया है।यदि हम एक पेड़ अपने मां के नाम से लगाते है तो आने वाली पीढ़ियों को प्रदूषित वातावरण से बचा सकते है और उनके लिए स्वच्छ वातावरण का निर्माण कर सकते है।वृक्षारोपण करने से स्वच्छ वातारण,स्वस्थ समाज और देश का निर्माण हो सकेगा।ईओ जी लाल ने बताया कि नगर पालिका द्वारा टांडा जलाशय,लंका की पहाड़ी,रामपुर मड़वा,नगर के विभिन्न पार्क एवं सार्वजनिक स्थलों पर पौधारोपण किया जा रहा है।शासन द्वारा दिये गए लक्ष्य के सापेक्ष वृक्षारोपण कराया जा रहा है,जिससे इस अभियान को सफल बनाया जा सके।इस मौके पर सभासद अमित मिश्रा,राजकुमार दुबे,शरद सरोज,कृष्ण कुमार



पाण्डेय,गोवर्धन निषाद,ईओ जी लाल,जलकल अभियंता ओमप्रकाश राम,ए.ई विपिन मिश्रा,जेई जटाशंकर पटेल सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

एक पेड़ माँ के नाम मुहिम के तहत एनटीपीसी सिंगरौली ने चलाया सघन वृक्षारोपण अभियान

लोकमंच भारत न्यूज

सोनभद्र। थाना शक्तिनगर में स्थित एनटीपीसी सिंगरौली में भारत सरकार के पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक चेतना को बढ़ावा देने वाले ÷एक पेड़ माँ के नाम÷ अभियान के अंतर्गत दिनांक 09 जुलाई 2025 को स्थानीय टाउनशिप एडमिनिस्ट्रेशन ऑफिस के प्रांगण के आस-पास एक विशेष वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अभियान के तहत सिंगरौली परियोजना परिसर तथा आस-पास के क्षेत्रों में पौधे लगाए गए।बता दें, यह पहल उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देशन में आयोजित किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत 45,000 पौधे चरणबद्ध तरीके से एनटीपीसी के आवासीय परिसर एवं आस पास के क्षेत्रों में लगाए जाएँगे, इस पहल का मुख्य उद्देश्य मातृत्व के प्रति सम्मान प्रकट करना तथा पर्यावरण के संतुलन को बनाए रखने में योगदान देना है। एनटीपीसी सिंगरौली के परियोजना प्रमुख राजीव अकोटकर ने इस अवसर पर कहा, ÷माँ जीवन की प्रथम शिक्षिका



होती हैं, और एक पेड़ लगाना उनके प्रति हमारा आभार प्रकट करने का एक सशक्त माध्यम है। यह अभियान न केवल पर्यावरण में हरियाली को बढ़ावा देगा, बल्कि भावी पीढ़ियों को प्रकृति के प्रति सजग बनाने में भी सहायक सिद्ध होगा। एनटीपीसी पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को आगे भी इसी तरह निभाता रहेगाइसी क्रम मे जोसफ बैस्टियन, मुख्य महाप्रबन्धक (एनटीपीसी सिंगरौली), ने कहा कि, ÷प्रकृति हमारे जीवन का आधार है, और इसकी रक्षा करना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। पेड़ लगाना केवल एक पौधा रोपना नहीं है, बल्कि एक बेहतर भविष्य की नींव रखना है। एनटीपीसी इस दिशा में सदैव अग्रणी भूमिका निभाता रहेगा।÷

कार्यक्रम का सफल संचालन नीरज यादव, अपरमहा प्रबंधक (ईएमजी) एवं सुश्री दीपिका सिंह, वरिष्ठ प्रबंधक (ईएमजी) के सक्षम नेतृत्व में किया गया। इस कार्यक्रम में एनटीपीसी सिंगरौली के डी. सी. गुप्ता, अपर महाप्रबंधक (टाउनशिप एडमिनिस्ट्रेशन), सिद्धार्थ मण्डल, अपर महाप्रबंधक (मानव संसाधन), एनटीपीसी के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

नन्द गोपाल गुप्ता (नंदी) के जन्म दिवस पर किया गया पौधारोपण



लोकमंच भारत न्यूज

मीरजापुर। बुधवार को नगर के महंत शिवाला स्थित सरस्वती विद्या मंदिर के प्रांगण में वैश्य समाज उत्तर प्रदेश के संरक्षक व उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता %नंदी% के जन्मदिवस (12 जुलाई) के उपलक्ष्य में ÷एक पेड़ मां के नाम 2.0÷ जन अभियान के तहत पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर संगठन के संरक्षक धर्मेंद्र गुप्ता, जिलाध्यक्ष ई. विवेक बरनवाल, नगर अध्यक्ष मुकेश अग्रहरी, महामंत्री शिवम अग्रहरी, विंध्यवासिनी उमर, हिमांशु अग्रहरी सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक पौधरोपण किया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य सुनील तिवारी व अन्य शिक्षकों का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। यह आयोजन पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने व समाज सेवा के प्रति समर्पण को दर्शाता है। वैश्य समाज ने इस पहल के माध्यम से सामाजिक व पर्यावरणीय जिम्मेदारी का संदेश दिया।

"एक पेड़ का मां के नाम" थीम पर चुनार किला पर एवं ग्राम बहुती में आयोजित वृहद कार्यक्रम में पौधरोपण कर किया शुभारम्भ

- कैबिनेट मंत्री ने छात्र-छात्राओं को वृक्षारोपण के बाद उसके संरक्षण के लिए निशुल्क ट्री-गार्ड देने की की घोषणा
- सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, विधायक छानबे, जिलाधिकारी सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण व अधिकारियों एवं स्कूली बच्चों के द्वारा किया गया वृक्षारोपण

लोकमंच भारत न्यूज

मीरजापुर। 'एक पेड़ मां के नाम -2.0' थीम पर 37 करोड़ वृक्षारोपण अभियान-2025 के तहत मंत्री प्राविधिक शिक्षा एवं उपभोक्ता मामले उ0प्र0 आशीष पटेल, सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य नोडल अधिकारी पिंकी जोवेल, विधायक छानबे रिंकी कोल, जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन, चेयरमैन कोआपरेटिव बैंक जगदीश सिंह, मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार, जिला अध्यक्ष अपना दल एस



इंजीनियर राम लौटन बिंद, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद श्याम सुंदर केशरी, सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण व अधिकारियों द्वारा ऐतिहासिक चुनार किला पर आयोजित कार्यक्रम एवं पटेहरा विकास खंड अन्तर्गत ग्राम बहुती में आयोजित वृहद कार्यक्रम में वृक्षारोपण कर कार्यक्रम शुभारम्भ किया। इस अवसर पर जवाहर नवोदय विद्यालय के बच्चों के द्वारा स्वागत गीत एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। कैबिनेट मंत्री व नोडल अधिकारी द्वारा स्कूली बच्चों व ग्रामीणों को वृक्षारोपण हेतु पौध वितरित किया। सर्वप्रथम वन विभाग एवं जिला प्रशासन द्वारा मुख्य अतिथि का स्वागत कर वृक्षारोपण महाभियान 2025 का शुभारम्भ किया गया। कैबिनेट मंत्री प्राविधिक शिक्षा मामले उ0प्र0 आशीष पटेल द्वारा प्रदेश में बढ़ते हुये वनावरण की प्रशंसा की। एक वृक्ष माँ के नाम की प्रेरणा/संरक्षण एवं वृक्षारोपण को एक जन आन्दोलन का रूप देने की अपील की। कार्बन क्रेडिट और कार्बन फाईनेसिंग से मिलने वाले किसानो को लाभ के बारे में विचार व्यक्त किये एवं उनके द्वारा विद्यालयो में पौधों की सुरक्षा हेतु ट्री गार्ड देने की घोषणा की गयी। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से एक पेड़ मां के नाम अभियान को सफल बनाने के लिए सभी लोगो का सहयोग महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में 2017 के बाद से वन का क्षेत्रफल 09 प्रतिशत बढ़कर 10 प्रतिशत हुआ है। उन्होंने कहा कि जो लोग पेड़ को लगाए विशेषकर यहां पर उपस्थित स्कूलों के छात्र-छात्राएं अपने घरो पर जो भी पेड़ लगाए उसका संरक्षण करें। उन्होंने कहा कि जिस तरह से मां बच्चों को दुलार करती है उसी तरह से वृक्ष तैयार होकर पूरा जीवन हम लोगो को दुलार करेंगी और छाया व फल प्रदान करेंगी। मंत्री ने कहा कि जनपद मीरजापुर में वृक्ष को अधिक से अधिक रोपित करने का स्कोप है अतएव सभी लोग की सहभागिता इस अभियान महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने यह भी कहा कि मात्र पेड़ लगाने से ही जिम्मेदारी खत्म नही होती बल्कि उसके संरक्षण कैसे की जाए इस पर भी विचार करने की आवश्यकता हैं। कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल ने छात्र-छात्राओं का आह्वान करते हु ए घोषणा की कि जो छात्र-छात्राएं अपने घर व आस पास के खाली जमीन पर जितने भी वृक्ष लगायेंगे उन्हें पेड़ की सुरक्षा के लिए निशुल्क ट्री-गार्ड उनकी तरफ से मुहैया कराया जाएगा। मंत्री ने कहा कि रिसर्च में यह पाया गया है कि एक पेड़ अपने जीवनकाल में 75 लाख रूपये का लाभ देता हैं अतएव वन क्षेत्र व उसके आस पास में रहने वाले वन की रक्षा अवश्य करें। उन्होंने सभी को संकल्प दिलाया कि व एक पेड़ मां के नाम लगायेंगे तथा उसकी सुरक्षा स्वंय करेगे ताकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की संकल्पना व मुख्यमंत्री जी के दिशा निर्देश के क्रम में इस महाअभियान को सफल बनाया जा सकें। इस अवसर पर विधायक छानबे रिंकी कोल ने भी लोगो से अधिक से अधिक पेड़ लगाने तथा उसकी रक्षा के लिए अपील की तथा विधान सभा क्षेत्र में किये जा रहे वृक्षारोपण की सराहना की एवं वृक्षारोपण में जन सहयोग व सहभागिता को प्रेरित किया।नोडल अधिकारी पिंकी जोवेल ने कहा कि पेड़ लगाने के बाद उसकी रक्षा करना सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि सड़को के किनारे फलदार पौधे लगाए। उन्होंने सहजन के पेड़ के औषधि महत्व के बारे में बताते हुए कहा कि सहजन के पेड़ के पत्ती, फल, टहनी, फूल सभी का उपयोग सब्जी के रूप में किया जा सकता है और यह पौध ब्लड बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

लोकमंच भारत न्यूज
गुरुवार,10 जुलाई 2025

अस्पताल संचालक पर मरीजों के शोषण का लगाया आरोप, कार्रवाई की मांग



डूमंडगंज, मीरजापुर। हलिया मिर्जापुर स्थानीय विकासखंड के मड़वा धनावल गांव निवासी अर्चना देवी पत्नी रामचन्द्र पाल ने बुधवार को महुअट गांव स्थित सम्राट हास्पिटल के संचालक के विरुद्ध प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की गुहार लगाई है दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया कि बीते तीन जून को प्रसव पीड़ा शुरू होने पर पति रामचन्द्र पाल मेरा प्रसव कराने के लिए महुअट स्थित सम्राट हास्पिटल में भर्ती करवाया हास्पिटल के संचालक अवधेश कुमार मौर्य ने पति से भर्ती करने व प्रसव कराने के लिए पचास हजार रूपए जमा करने के लिए कहा पति रामचन्द्र पाल ने तत्काल आनलाइन दस हजार रूपए और दस हजार रूपए नकद कुल बीस हजार रूपए अवधेश कुमार मौर्य को दिया अस्पताल के भीतर प्रसव आदि की कोई व्यवस्था नही थी अवधेश कुमार मौर्य ने पति को गुमराह करते हुए तीस हजार रूपए और जमा करने के लिए कहा पति बीस हजार रूपए जमा करने के बाद तीस हजार रूपए की व्यवस्था में लग गए लेकिन इसी दौरान मेरी तबीयत बिगड़ गई और मुझे अत्यधिक प्रसव पीड़ा शुरू हो गई तीस हजार रूपए जमा नही होने पर अवधेश मौर्य प्रसव कराने में टालमटोल करने लगा हमारी हालत काफी बिगड़ गई और मेरी जान को खतरा पैदा हो गया तब पति रामचन्द्र पाल मुझे दूसरे दिन चार जून को नैड़ी कठारी स्थित सेहत अस्पताल में भर्ती कराया जहां हमारा सुरक्षित प्रसव किया गया और वहां के चिकित्सक ने दवा इलाज कर हमारी जान बचाई सम्राट हास्पिटल का संचालक पति को झांसा देकर बीस हजार रूपए ऐंठ लिया और आपरेशन के नाम पर अस्पताल में भर्ती किए रखा जबकि कोई दवा इलाज भी नही किया महुअट गांव स्थित सम्राट हास्पिटल में मरीजों को झांसा देकर भर्ती कराया जाता है और उनकी जिंदगी से खिलवाड़ किया जाता है पति रामचन्द्र पाल ने इस संबंध में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और उच्चाधिकारियों को प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की लेकिन आजतक सम्राट हास्पिटल के संचालक के विरुद्ध कोई कार्रवाई नही हुई हास्पिटल संचालक द्वारा भोली भाली जनता को झांसा देकर हास्पिटल में भर्ती कर उनकी जिंदगी को खतरे में डालने का कार्य किया जाता है झोलाछाप अस्पताल संचालक अवधेश मौर्य द्वारा मानक विहीन अवैध रूप से हास्पिटल संचालित किया जा रहा है महिला ने जनहित में अस्पताल के रजिस्ट्रेशन और अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं आदि की जांच किए जाने की मांग की है।

यूपी बीएड परीक्षा में प्रदेश में टॉप करने पर सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश ने दिया एक लाख की आर्थिक मदद



लोकमंच भारत न्यूज मिर्जापुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री उत्तरप्रदेश अखिलेश यादव जी ने सूरज पटेल को यूपी बीएड परीक्षा में उत्तरप्रदेश टाप करने पर एक लाख की आर्थिक मदद एव साल ओढ़ाकर सम्मानित किया है। श्री सूरज पटेल मड़िहान मिर्जापुर के निवासी है। उन्होने रोहनिया वाराणसी में रहकर तैयार की थी। इस अवसर पर उनके साथ उनके मामा रमेश कुमार पटेल भी मौजूद रहें। शिक्षा और युवाओं के भविष्य के प्रति राष्ट्रीय अध्यक्ष जी का यह नजरिया ही समाजवाद की आधारशिला है। स्नातक विधान परिषद सदस्य आशुतोष सिन्हा ने भी सूरज पटेल को बधाई दी है। बधाई देने वालो में जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चैधरी, सत्यप्रकाश यादव, राणा प्रताप सिंह, शैलेष पटेल, सोकिम अहमद, झल्लू यादव आदि शामिल है।

खंड शिक्षा अधिकारी ने मां के नाम एक पौधा लगाया

लोकमंच भारत न्यूज



सीखड़, मीरजापुर । वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम के अन्तर्गत बुधवार को खंड शिक्षा अधिकारी मुकेश कुमार राय ने प्राथमिक विद्यालय गौरैयां पहुंच कर मां के नाम एक पौधा कार्यक्रम में सम्मिलित होकर वृक्षारोपण किया। उन्होंने बताया कि वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम को सफल बनाने में विकास खंड सीखड़ में स्थित सभी प्राथमिक विद्यालय, उच्च प्राथमिक विद्यालय एवं कंपोजिट विद्यालयों ने अहम भूमिका निभाई जिसके लिए मैं सभी शिक्षकों एवं अभिभावकों तथा ग्राम प्रधान को बधाई देता हूं। विद्यालय में उपस्थित बच्चों एवं अभिभावकों को वृक्षारोपण के महत्व को बताते हुए कहा कि वृक्षारोपण का महत्व अत्यधिक है क्योंकि यह हमारे पर्यावरण और जीवन के लिए कई फायदे प्रदान करता है।वृक्ष हमें आक्सीजन देता है जो जीवन के लिए जरूरी है । उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण करके हम जहां वायु की गुणवत्ता को सुधार सकते हैं वहीं मिट्टी के कटाव को भी रोका जा सकता है और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को भी कम किया जा सकता है। कहा कि आर्थिक दृष्टिकोण से भी वृक्षारोपण के अनेक फायदे हैं जो हमारे जीवन को सरल और बेहतर बनाते हैं। उक्त अवसर पर प्रभारी प्रधानाध्यापिका ललिता देवी, विनीत कुमार द्विवेदी,अभय राज मिश्रा, सुषमा मिश्रा सहित काफी लोग उपस्थित रहे।

भाजपा जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में एक पेड़ मां के नाम लगाया गया



लोकमंच भारत न्यूज मीरजापुर। बुधवार को भारतीय जनता पार्टी मीरजापुर के जिलाध्यक्ष बृजभूषण सिंह ने उत्तर प्रदेश सरकार एक पेड़ माँ के नाम थीम - 2 के अन्तर्गत नगर पश्चिमी मण्डल के लालडिग्गी पार्क में पौधरोपण किया । साथ में जिलाध्यक्ष की अध्यक्षता में जिले के सभी मंडलों में पौधरोपण का कार्य किया गया । इस अवसर पर जिलाध्यक्ष जी ने कहा कि ÷एक पेड़ माँ के नाम÷ एक नारा नहीं है बल्कि अपनी माँ प्रति आपकी भावना है । इसीलिए मा0 प्रधानमंत्री मोदी जी ने ये नारा दिया है कि जो भी व्यक्ति अपनी माँ के नाम एक पेड़ लगाये उसका ख्याल अपनी माँ की तरह रखे । पेड़ लगाना इसलिए भी लगाना जरूरी हो गया है कि पर्यावरण असंतुलित हो गया है । बिना पेड़ लगाये प्रकृति में कार्बन डाइऑक्साइड की कमी नहीं की जा सकती । पेड़ से प्रकृति में ऑक्सीजन का उत्सर्जन बढ़ेगा । जो सभी जगत प्राणी के लिए कल्याणकारी होगा । इससे पृथ्वी का तापमान जो बढ़ता जा रहा है, उसे कम करने में अधिक सहयोग मिलेगा । इसलिए हर व्यक्ति का ये दायित्व है कि वो कम से कम एक पेड़ अपनी माँ के नाम अवश्य लगाये । साथ में जिला प्रभारी श्रीमती सरोज कुशवाहा जी ने भी रानी कर्णावती जूनियर हाई स्कूल, लालडिग्गी के पार्क में पौधरोपण किया । कुशवाहा जी ने कहा कि पेड़ लगाने से हमें ऑक्सीजन के साथ ही फल, पुष्प एवं जीवनदायिनी औषधियां प्राप्त होती हैं । उक्त अवसर पर जिला अभियान संयोजक जिलामंत्री भाजपा हेमंत त्रिपाठी, नगर पश्चिमी मंडल अध्यक्ष नितिन विश्वकर्मा, गोपाल अग्रवाल, सूरज निषाद, रूपेश यादव, शिखा अग्रवाल, राहुल चन्द जैन, सुमन यादव, पुनीत मिश्रा, सौरभ श्रीवास्तव, धीरज तिवारी, सुन्दरम् सोनी, सत्यनारायण जायसवाल के साथ अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित रहे । उक्त जानकारी जिला मीडिया प्रभारी ज्ञान प्रकाश दूबे ने दिया ।

सीखड़ के बगहां में घर पर सो रहे व्यक्ति को नशीला पदार्थ सूंघाकर लाखों की चोरी

सीखड़, मीरजापुर। चुनार थाना अंतर्गत बगहां गांव में मंगलवार की रात घर के बरामदे में सो रहे अवकाश प्राप्त शिक्षक को चोरों द्वारा नशीला पदार्थ सूंघाकर बेहोश हो जाने पर घर का ताला खोलकर लाखों के जेवर और एक लाख से उपर नगद उठा ले गए।सुबह होश आने पर शिक्षक हक्का बक्का रह गया और फिर ग्रामीणों को सूचना दिया। मंगलवार रात करीब 12 बजे चुनार थाना क्षेत्र के बंगहां के रहने वाले जयमंगल पाल (अवकाश प्राप्त शिक्षक) राज्यमार्ग संख्या 74 पर बंद पड़े पेट्रोल पंप के पास घर बनवाकर अकेले घर के खुले बरामदे में सो रहे थे तभी तीन चार की संख्या में वहां पहुंचे चोरों द्वारा पहले नशीला पदार्थ छिड़ककर किसी कपड़े से उनके मुंख को दबा दिया गया जिससे वह थोड़ी ही देर में बेहोश हो गए। शिक्षक को बेहोशी की हालत में उनके तकिया के नीचे रखें घर के चाभी को लेकर घर का ताला खोलकर चोर उनके घर में घुस गए और घंटों तक घर के एक एक कमरे को खंगाला। घर से जाते समय चोरों ने उनका मोबाइल भी दूसरे जगह छिपा दिया था। जयमंगल पाल के दो पुत्र हैं जो मुंबई में रहकर नौकरी करते हैं। उनकी पत्नी भी इस समय बेटों के पास मुंबई गई हुई थी। इसी का फायदा उठाकर आधी रात में चोरी की इस बड़ी घटना को अंजाम दिया गया। भोर में होश आने पर मंगल पाल को अर्ध विक्षिप्त अवस्था में बैठा देख आस पास के लोग उनके पास पहुंचे तब उन्होंने ग्रामीणों को घटना की जानकारी दी। बगहां के ग्राम प्रधान धीरज के द्वारा चोरी के घटना की सूचना चुनार थाने पर दी गई तत्पश्चात चुनार थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल की। मीरजापुर से फौरेंसिक टीम भी कुछ देर बाद मौके पर पहुंची और साक्ष्य एकत्रित किया। जय मंगल पाल ने बताया कि वह मंगलवार रात जब घर का ताला बंद कर बाहर खुले बरामदे में सो रहे थे तभी कुछ लोग आए और कोई मोटा कपड़ा मेरे चेहरे पर रखकर जोर से दबाने लगे, मेरे छटपटाने की स्थिति में वह लोग मेरे सीने पर चढ़कर बैठ गए और थोड़ी ही देर में मैं बेहोशी की हालत में पहुंच गया और इस दौरान मेरे पास रखे घर के चाभी से ताला खोलकर घर में घुस गए और सोने के 3 चैन , 1 हार , 1 मंगलसूत्र, 4 कंगन , 2 चूड़ी और झुमका सहित ढेर सारा चांदी का जेवर उठा ले गए। चोरी हुए सोने चांदी के जेवर करीब 12 लाख रूपए से अधिक मूल्य के थे। वहीं घर में रखे 1 लाख 45 हजार नगद भी चोर अपने साथ ले गए हैं। उन्होंने अपने मुंबई रह रहे अपने परिवार के लोगों को भी सूचना दे दी है , वह लोग भी आ रहे हैं। क्षेत्र में बलपूर्वक की गई इतनी बड़ी चोरी से लोगों में डर का माहौल बना हुआ है और चहुंओर इसी की चर्चा हो रही है।वहीं चुनार क्षेत्राधिकारी मंजरी राव ने बताया कि चुनार कोतवाली क्षेत्र के बगहां में मंगलवार रात चोरी की घटना सामने आई है, मुकदमा दर्ज किया गया है और वह खुद भी मौके पर जाकर घटना की छानबीन करेंगी, पुलिस की टीम गठित की गई है और घटना को अंजाम देने वाले लोगों को बहुत जल्द ही गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

एक पेड़ मां के नाम के तहत चुनार में पुलिस अधीक्षक ने लगाया पौधा



लोकमंच भारत न्यूज मीरजापुर। बुधवार को एक पेड़ मां के नाम 2.0 वृक्षारोपण अभियान-2025 के तहत सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा थाना चुनार की पुलिस चौकी सक्तेशगढ़ परिसर में वृक्षारोपण किया गया । इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन व अपर जिलाधिकारी वित्त द्वारा भी वृक्षारोपण किया गया । उक्त कार्यक्रम के दौरान क्षेत्राधिकारी चुनार, प्रभारी निरीक्षक चुनार व चौकी प्रभारी सक्तेशगढ़ सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहें । पर्यावरण संरक्षण के इस पुनीत कार्य में एक पेड़ मां के नाम पर अवश्य लगायें ।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान 2.0 के अंतर्गत जनपद सोनभद्र में वृक्षारोपण कार्यक्रम का किया गया आयोजन

लोकमंच भारत न्यूज
सोनभद्र। बुधवार को पर्यावरण संरक्षण और हरित भारत के संकल्प को साकार करने हेतु जनपद सोनभद्र में ÷एक पेड़ माँ के नाम÷ अभियान 2.0 के अंतर्गत वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन उत्साह और व्यापक जनसहभागिता के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर समाज कल्याण राज्य मंत्री संजीव गोड़, जिलाधिकारी बी.एन. सिंह, पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा, जिलाध्यक्ष नंद लाल गुप्ता, विधायक घोरावल अनिल कुमार मौर्य, नगर पंचायत चेयरमैन रुबी प्रसाद, ब्लाक प्रमुख रॉबर्ट्सगंज अजीत कुमार रावत सहित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, छात्र-छात्राओं और आम नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम का आयोजन पुलिस लाइन, सोनभद्र सहित जनपद के थाना-चौकियों, सरकारी कार्यालयों, विद्यालयों और ग्राम पंचायतों में एक साथ किया गया। इस दौरान सैकड़ों फलदार, छायादार और औषधीय पौधों का रोपण किया गया। मुख्य अतिथि श्री संजीव गोड़ ने कहा, ÷यह अभियान पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ मातृभूमि और मातृत्व के प्रति श्रद्धांजलि का एक भावनात्मक प्रयास है। प्रत्येक नागरिक को इस पुनीत कार्य में सहयोग करना चाहिए। जिलाधिकारी बी.एन. सिंह ने पौधों की देखभाल पर जोर देते हुए कहा, आज रोपित पौधे भविष्य में जीवन को संबल प्रदान करेंगे। इन्हें केवल लगाने तक सीमित न रखें, बल्कि वृक्ष बनने तक इनका संरक्षण करें।÷ पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने बताया कि जनपद के सभी थाना-चौकियों में यह अभियान मिशन मोड में संचालित किया गया। थानाध्यक्षों को पौधों की नियमित देखभाल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। कार्यक्रम में ÷एक पेड़ माँ के नाम÷ अभियान के भावनात्मक महत्व को रेखांकित करते हुए सभी वक्ताओं ने नागरिकों से अपनी माता के नाम पर कम से कम एक पौधा लगाने की अपील की। यह अभियान न केवल पर्यावरण संरक्षण, बल्कि सामुदायिक सहभागिता और भावनात्मक जुड़ाव



को बढ़ावा देने का एक सशक्त माध्यम बना। अंत में, सभी उपस्थित लोगों ने पौधों की देखभाल और संरक्षण का संकल्प लिया। यह कार्यक्रम पर्यावरणीय जागरूकता और सामाजिक एकता का एक प्रेरणादायक उदाहरण बन गया।

संक्षिप्त समाचार

मांगों को लेकर गरजे निगम कर्मी

प्रयागराज । देशव्यापी हड़ताल व महासंघ के आह्वान पर बुधवार को नगर निगम प्रयागराज सामान्य एवं सफाई कर्मचारियों द्वारा संयुक्त रूप से अर्थात नगर निगम में स्थापित सभी कर्मचारी संघों द्वारा ध्यानाकर्षण सांकेतिक धरने में जमकर नारेबाजी की। धरने के दौरान मुख्यालय तथा जोन कार्यालय के सभी कार्यालयों में ताला बन्दी कर दी गई थी। जिससे सभी कार्य बंद हो गए।दो घंटे तक चले प्रदर्शन और आन्दोलन के बाद सामान्य वर्ग के कर्मचारी तथा सफाई कर्मचारियों द्वारा रैली निकाली गयी व नगर आयुक्त साई तेजा को ज्ञापन दिया गया। आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के लिए नियमावली, निगम के कर्मचारियों के लिए कैशलेस चिकित्सा सुविधा, निकाय कर्मचारियों की अकेन्द्रीयित सेवा नियमावली बनाने, दैनिक वेतन, संविदा कर्मचारियों के विनियमितीकरण समेत अन्य कई मांगे शामिल है। इस दौरान नगर आयुक्त साई तेजा ने कहा कि कर्मचारियों की स्थानीय मांग है वह पूरा कराने का प्रयास कर रहे हैं। जो शासन स्तर की मांगे हैं वह प्रमुख सचिव नगर विकास को भेजा जा रहा है। धरने के दौरान नगर निगम कर्मचारी एशोसियेशन के अध्यक्ष व प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज श्रीवास्वत, अनुपमा श्रीवास्तव, वरिष्ट उपाध्यक्ष शरद श्रीवास्तव, धर्मराज सिंह, मंहामंत्री जितेन्द्र कुमार, मंत्री रवीन्द्र पालीवाल, सचिव कमल कुशवाहा, विवेक श्रीवास्तव, राजेश, अमिता दूबे, नगर निगम सफाई मजदूर यूनियन के अध्यक्ष प्रदीप कुमार तथा सफाई मजदूर एकता मंच के अध्यक्ष बलराम पटेल तथा सचिव संतोष व समस्त सामान्य/सफाई वर्ग के कर्मचारी उपस्थित रहे।

मूसलाधार बारिश से जलमग्न हुआ शहर



प्रयागराज । बुधवार सुबह से हुई मूसलाधार बारिश ने लोगों की दिनचर्या को पूरी तरह से अस्त-व्यस्त कर दिया। शहर की सड़कों और गलियों में हुए जलभराव ने नगर निगम की व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए है। बारिश के पानी की निकासी का कोई उचित प्रबंध नहीं होने से फ्लाईओवर के नीचे और आसपास के इलाकों में पानी भर गया है।बारिश का गंदा पानी लोगों के घरों में घुस रहा है। जलभराव की स्थिति इतनी गंभीर है कि लोग अपने घरों से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। यह स्थिति नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रही है।शहर के अल्लापुर, टैगोर टाउन, गऊघाट, ईसीसी कॉलेज के पीछे और नैनी के दुबराज पर छिवकी रेलवे क्रासिंग के साथ कई स्थानों प्रभारीश से जलभराव की स्थिति बनी हुई है। जहां रहने वाले लोगों के लिए बारिश परेशानी का सबब बन गया है। घरों के बाहर बारिश का पानी भी जाने के बाद लोग घरों से नहीं निकल पा रहे है। शहर में जल निकासी की उचित व्यवस्था न होने से मामूली बारिश में भी लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नालियों की सफाई न होने और ड्रेनेज सिस्टम की खराब स्थिति के कारण पानी सड़कों पर जमा हो रहा है।

छात्रों को प्रकृति के प्रति सजग रहने का दिया संदेश

प्रयागराज । वृक्षारोपण महाभियान-2025 के अंतर्गत त्रिशला फाउंडेशन एवं कर्नलगंज इंटर कॉलेज के साझा प्रयास से कॉलेज परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस आयोजन में त्रिशला फाउंडेशन की सचिव डॉ. वरिदमाला जैन, व्यवस्थापक सी. एस. सिंह, कर्नलगंज इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य अजय कुमार, एनसीसी ऑफिसर लेफ्टिनेंट शक्ति सिंह यादव, विमल चन्द्र शुक्ला, एवं कॉलेज के शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया। इस अभियान में एनसीसी कैडेट्स शुभम सिंह, अनुराग मौर्या, नैतिक पटेल, श्रीकांत श्रीवास्तव, मनीष साहू एवं अजय कुमार समेत कई अन्य छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।इस अवसर पर डॉ. वरिदमाला जैन ने कहा कि वृक्षारोपण केवल एक कर्म नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक अमूल्य उपहार है। कॉलेज के प्रधानाचार्य अजय कुमार ने छात्रों को प्रकृति के प्रति सजग रहने और हर वर्ष पौधा लगाने की प्रेरणा दी।कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए त्रिशला फाउंडेशन एवं विद्यालय प्रशासन ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी इस प्रकार के जनहितकारी अभियानों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

विजयपुर पहाड़ी के ददरे जंगल में लावारिस हाल में मिली बाइक

लोकमंच भारत न्यूज
मिर्जापुर गैपुरा गैपुरा चौकी क्षेत्र के विजयपुर पहाड़ी के ददरे जंगल में लावारिस हालत में मिली बाइक जिसमें में न आगे न पीछे नंबर प्लेट नहीं था बाइक एच एफ डीलक्स लावारिस हालत में गाड़ी खड़ी देखने पर राहगीरों ने डायल 112 को सूचना दिया डायल 112 की सूचना पर मौके पर पहुंचे गैपुरा चौकी इंचार्ज आनंद शंकर सिंह अपने हमराही छोटेलाल व प्रहलाद यादव और राम बिहारी के साथ मौके पर पहुंचकर गाड़ी का शिनाख्त कराने का प्रयास किया जब किसी द्वारा नहीं पहचान की गई तो बाइक को कब्जे में लेकर चौकी गैपुरा लाया गया और वैधानिक कार्यवाही की गई



जी यस बी सेवा समिति द्वारा किया गया वृक्षारोपण



लोकमंच भारत न्यूज मीरजापुर। बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ जी के निर्देश पर पेड़ लगाओ पेड़ बचाओ जन अभियान 2025 (एक पेड़ माँ के नाम)के तहत वन विभाग की ओर से किए गए वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन पटेहरा कलां ,मिर्जापुर में किया गया । कार्यक्रम में जी एस बी सेवा समिति द्वारा भी वृक्षारोपण किया गया। संस्था की ओर से 40 महिलाओं ने उत्सुकता के साथ वृक्षारोपण किया जिसमें बच्चे भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में संस्था की संस्थापक व प्रबंधक फारिहा खान तथा अन्य महिलाएं उपस्थित रहीं

किशोरी को बहला-फुसलाकर भगाने व दुष्कर्म करने के अभियोग से सम्बन्धित अभियुक्त गिरफ्तार



लोकमंच भारत न्यूज
मीरजापुर, जिगना। थाना जिगना, जनपद मीरजापुर पर दिनांक:27.06.2025 को एक व्यक्ति द्वारा नामजद अभियुक्त के विरूद्ध वादी की पुत्री को बहला-फुसलाकर शादी का झांसा देकर भगा ले जाने तथा वादी द्वारा अभियुक्त के घर जाकर उसके माता-पिता से पूछने पर गाली देते हुए जान से मारने की धमकी देने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई । उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना जिगना पर मु0अ0सं0-192/2025 धारा 137(2),87,352,351(3) बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई । सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी लालगंज के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक जिगना को अभियुक्तों की गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए । उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना स्थानीय पर पंजीकृत उपरोक्त अभियोग में सुरागरसी पतारसी एवं अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही के क्रम में बुधवार को उप-निरीक्षक अवधेश सिंह मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर थाना जिगना क्षेत्रान्तर्गत नरोइया मोड़ पुल के पास से नामजद अभियुक्त भगवानदास पुत्र हर्षनारायण निवासी रतनपुर नरोइया थाना जिगना जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए जेल भेजा गया ।

लोक मंच भारत न्यूज
हिन्दी दैनिक प्रकाशक- :- सूरज दुबे (मो0- 9997911108) सम्पादक :- राजकुमार तिवारी (मो0- 9451623073) सह सम्पादकः- रामलाल साहनी (मो0- 9935003648) मुद्रकः-आइडियल ग्राफिक्स
प्रिंटर्स 48/136/2 पंघरीबा शाहगंज प्रयागराज उत्तर प्रदेश द्वारा मुद्रित । Email : raj623073@gmail.com । पीआरबी एक्ट के तहत समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र मीरजापुर न्यायालय के अधीन होगा।